RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-159 जयपुर, रविवार, 07 दिसम्बर 2025 मूल्य-4 रूपये

बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक ने बाबरी की नींव रखी

मौलवियों के साथ फीता काटा, 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

मुर्शिदाबाद/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की।

इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं। हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

हुमायूं कबीर बोले- मस्जिद निर्माण रोकने की साजिशें रची गईं

कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं, लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

हाईकोर्ट ने मस्जिद निर्माण पर रोक से इनकार किया था

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी।

थरूर बोले- रूसी डेलिगेशन से बात करके मजा आया

कहा- कल पुतिन के लिए आयोजित डिनर में शामिल हुआ, राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे को न्योता नहीं

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को बताया कि 5 दिसंबर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित डिनर में शामिल हुआ था। वहां का माहौल बहुत अच्छा और दिलचस्प था। रूसी डेलिगेशन के साथ बातचीत करके मजा आ गया।

थरूर ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। इस डिनर में लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को न्योता नहीं मिला था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने थरूर के डिनर में जाने पर सवाल उठाए। खेड़ा ने कहा कि बड़े नेताओं को न बुलाया जाए और थरूर को बुलाया जाए तो यह खेल समझना चाहिए। थरूर ने कहा कि विदेश मामलों की कमेटी चेयरमैन होने के नाते न्योता मिला और वे जरूर जाएंगे।

पुतिन गुरुवार शाम भारत के दो दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचे थे। पहले दिन पीएम आवास पर व्लादिमीर पुतिन के लिए डिनर आयोजित किया गया था। इसके बाद शुक्रवार को कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। शाम को राष्ट्रपति भवन में डिनर के बाद पुतिन मॉस्को लौट गए। राहुल ने कहा था कि परंपरा तोड़कर विपक्ष को पुतिन से मिलने नहीं दिया जा रहा।

जयराम रमेश ने कन्फर्म किया, दोनों नेताओं को न्योता नहीं मिला

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कन्फर्म किया था कि नेता विपक्ष राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को न्योता नहीं मिला था। उन्होंने लिखा था इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता को राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में आज रात के ऑफिशियल डिनर के लिए बुलाया गया है। दोनों को नहीं बुलाया गया है।

इंडिगो की 800 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, अधिकतम किराया तय

सरकार का निर्देश- पैसेंजर्स को रिफंड दे, हवाई किराया फिक्स, 500 किमी तक 7,500 लगेंगे

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ

इंडिगो एयरलाइन संकट मामले में केंद्र सरकार ने चार दिन बाद शनिवार को सख्ती दिखाई। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री (रूस्रष्ट) ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह रविवार रात 8 बजे तक कैंसिल टिकट का पैसा पैसेंजर को वापस करें। पैसेंजर के लगेज भी 48 घंटे में लौटाए।

इसके अलावा, सरकार ने दूसरी एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा ना लें। सरकार ने हवाई किराया फिक्स कर दिया है। अब 500 किमी तक हवाई सफर में 7500 रुपए किराया लगेगा। वहीं 500-1000 किमी तक 12,000, 1000-1500 किमी तक 15,000 और 1500 किमी से ऊपर अधिकतम 18,000 लगेंगे। हालांकि इसमें बिजनेस क्लास शामिल नहीं है। उधर, इंडिगो के ऑपरेशन में लगातार 5वें दिन शनिवार को सुधार नहीं दिख रहा है। न्यूज एजेंसी क्कञ्जढ्ढ के मुताबिक देश के 4 बड़े एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु समेत कई शहरों से इंडिगो की 800 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल की जा चुकी हैं। पिछले 4 दिन में 2,000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। रोजाना एवरेज 500 फ्लाइट लेट हो रही हैं।

सरकार ने हवाई किराया फिक्स किया, 500 किमी तक 7500 रुपए लगेंगे

इंडिगो संकट के बीच सरकार ने शनिवार को एयरलाइन्स के मनमाने किराए पर रोक लगा दी है। सरकार ने कहा कि सभी एयरलाइन्स फेयर कैप यानी अधिकतम किराया सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट नहीं बेच सकती।

सरकार ने बताया कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते। इस कदम का मकसद एयरफेयर में अनियमितता रोकना, बाजार में प्राइसिंग डिसिप्लिन बनाए रखना और संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना है।

अब कोई भी एयरलाइन 500 किमी की दूरी तक 7500 रुपए, 500-1000 किमी तक 12 हजार रुपए से ज्यादा किराया नहीं ले पाएगी। वहीं, अधिकतम किराया 18 हजार रुपए तय किया गया है। हालांकि ये किराया सीमा बिजनेस क्लास के लिए लागू नहीं होगी।

10 गुना तक कीमत में मिल रहे थे टिकट

इंडिगो की फ्लाइट्स में बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन और देरी के बाद फ्लाइट्स का किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दस गुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे थे।

बुकिंग साइट MakeMyTrip के अनुसार, 6 दिसंबर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट की कीमत 40,000 रुपए से ज्यादा है, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80,000 रुपए तक हैं। दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट का न्यूनतम किराया 36,107 रुपए और अधिकतम 56,000 रुपए है। वहीं दिल्ली-चेन्नई की देर रात की फ्लाइट्स का किराया 62,000 से 82,000 रुपए तक पहुंच गया।

राजस्थान में बर्फीली हवा, 2 डिग्री से नीचे तापमान

जयपुर

उत्तर से आ रही बर्फीली हवा से राजस्थान में हाड़ कंपाने वाली सर्दी शुरू हो गई है। शेखावाटी के इलाकों में रात का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। ओस जमने से खेतों में पाला पड़ना शुरू हो गया है। इससे फसलों को नुकसान हो रहा है।

शुक्रवार को राज्य के 15 से ज्यादा शहरों में ही तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ। जयपुर में इस सीजन पहली बार तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले कुछ दिन इसी तरह कड़ाके की सर्दी का अलर्ट जारी किया है।

फतेहपुर सबसे सर्द, लगातार गिर रहा तापमान

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य का सबसे ठंडा इलाका सीकर का फतेहपुर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, बीकानेर के लूणकरणसर में 3.2, सीकर में 3, नागौर में 3.1, अलवर में 5.4, दौसा में 4.6, झुंझुनूं में 6.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। राजधानी जयपुर में जयपुर में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शेखावाटी के चूरू, सीकर, झुंझुनूं के अलावा नागौर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर समेत कई शहरों में रात में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है।

दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे

सर्द हवाओं और तेज सर्दी के कारण दिन में सूरज की चमक भी फीकी पड़ने लगी है। दिन में तेज धूप के बावजूद तापमान कम दर्ज हो रहा है। अलवर, पिलानी, सीकर, उदयपुर, चूरू, बारां, सिरोही, करौली, प्रतापगढ़, झुंझुनूं, पाली में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। शुक्रवार सिरोही में सबसे ठंडा दिन रहा, जहां अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

इंद्रेश उपाध्याय की शादी में तिरुपति बालाजी का स्वरूप दिखा

देशभर से साधु-संत दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देने जयपुर पहुंचे

जयपुर

वृंदावन (मथुरा) के कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने शुक्रवार को यमुनानगर (हरियाणा) की शिप्रा शर्मा के साथ जयपुर में सात फेरे लिए। वैदिक रीति-रिवाज से हुई शादी की मुख्य रस्में करीब 3 घंटे तक चलीं। इसके बाद देर रात इंद्रेश उपाध्याय की बारात निकली।

रात को हुए आशीर्वाद समारोह में ताज आमेर होटल के कुंदनवन को तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर सजाया गया था। इस दौरान देशभर से आए साधु-संतों ने कथावाचक को आशीर्वाद दिया था। यहां क्लासिकल म्यूजिक का स्टेज बनाया गया था, जहां कलाकारों ने भक्ति रस पर आधारित रागों पर प्रस्तुतियां दी थीं। शुक्रवार को कुमार विश्वास, धीरेंद्र शास्त्री, देवी चित्रलेखा, भागवत प्रभु सहित कई साधु-संत और सेलिब्रिटी मौजूद रहे थे।

बजट से पहले कस्टम सिस्टम में बदलाव करेगी सरकार

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि कस्टम सिस्टम में जल्द ही कई बड़े बदलाव किए जाएंगे। यह सरकार का अगला सबसे बड़ा रिफॉर्म होगा। इसका मकसद रूल्स को सरल बनाना है, ताकि बिजनेस और ट्रेडर्स को परेशानी न हो।

पिछले दो सालों में ड्यूटी रेट्स को धीरे-धीरे कम किया गया है और अब जो आइटम्स अभी भी हाई ड्यूटी वाले हैं, उन पर भी फोकस होगा। यह रिफॉर्म इकोनॉमी को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जहां ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी और कंप्लायंस आसान होगा।

कस्टम्स सिस्टम वो बॉडी है जो टैरिफ कलेक्ट करती है और गुड्स के इंपोर्ट-एक्सपोर्ट को रेगुलेट करती है। इसमें व्हीकल्स, पर्सनल बिलॉन्गिंग्स और यहां तक कि डेंजरस आइटम्स का कंट्रोल भी शामिल है।

जयशंकर बोले-पुतिन के दौरे से भारत-अमेरिका रिश्तों पर असर नहीं

नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दौरे का असर भारत-अमेरिका के रिश्तों पर नहीं पड़ेगा। जयशंकर ने एचटी लीडरशिप समिट 2025 में यह बातें कही।

विदेश मंत्री ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते बातचीत पर इसका असर पड़ने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारत किस से दोस्ती करे या न करे यह भारत के अलावा कोई और तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा सभी को पता है कि भारत का दुनिया के हर बड़े देश से संबंध है। किसी भी देश के लिए यह उम्मीद करना कि भारत अपने अन्य देशों से रिश्ते कैसे बनाएगा, इस पर उसकी राय मानी जाएगी, यह उचित नहीं है। अगर हमने ऐसा किया तो दूसरे देश भी हमसे यही उम्मीद करेंगे।

जयशंकर बोले- भारत-रूस का रिश्ता हमेशा विश्वसनीय रहा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-रूस संबंधों को दुनिया के सबसे स्थिर, मजबूत और बड़े रिश्तों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, 'रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच के असंतुलन को दूर करना था। पुतिन की यात्रा ने पिछड़े क्षेत्रों, विशेष रूप से आर्थिक सहयोग में साझेदारी को नए तरीके से पेश किया है।' जयशंकर ने कहा कि रूस का चीन, अमेरिका और यूरोप के साथ रिश्ता कई बार ऊपर-नीचे हुआ, लेकिन भारत के साथ यह रिश्ता हमेशा स्थिर और विश्वसनीय रहा।

अमेरिका के साथ हो रहे व्यापार समझौते पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अपने किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग के हितों की पूरी रक्षा करेगा। वहीं, जयशंकर ने भारत-रूस संबंध को दुनिया के सबसे मजबूत रिश्तों में से एक बताया।

सोनिया बोलीं- सरकार नेहरू को इतिहास से मिटाना चाहती है बीजेपी बोली- अनुच्छेद 370 नेहरू की गलती, संशोधन हमारा

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी शुक्रवार को दिल्ली स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के लॉन्च समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बयानबाजी को लेकर भाजपा सरकार की आलोचना की।

सोनिया ने कहा- इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना आज की सत्ता का मुख्य मकसद है। वह उन्हें (नेहरू को) सिर्फ इतिहास से मिटाना नहीं चाहती, बल्कि उनकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आधारों भी को कमजोर करना चाहती है, जिन पर देश खड़ा हुआ।

सोनिया ने कहा- इतने बड़े व्यक्तित्व (नेहरू) के जीवन और काम का एनालिसिस और समीक्षा होना स्वाभाविक है और ऐसा होना चाहिए भी। लेकिन उन्हें बदनाम करने, कमजोर दिखाने और उनकी बातें तोड़ने-मरोड़ने की संगठित कोशिश अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- नेहरू का व्यक्तित्व छोटा करने की कोशिश जारी है। उनका ऐतिहासिक बैकग्राउंड अलग रखकर उनके काम का आकलन करना अब आम होता जा रहा है। उनकी बहुमुखी विरासत खत्म करके दोबारा इतिहास लिखने की कोशिश हो रही है।

इसके बाद बीजेपी ने भी पलटवार किया। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 नेहरू लाए लेकिन वो इसे आगे संशोधित नहीं कर पाए। मगर पीएम मोदी की सरकार ने इसे संशोधित किया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी नेहरू की लेगेसी की बात करती हैं तो ये किस तरह की लेगेसी है।

सोनिया बोलीं- नेहरू की विरासत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश

सोनिया ने कहा- स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू की भूमिका और स्वतंत्र भारत के शुरुआती कठिन दशकों में उनके नेतृत्व को कम दिखाने की कोशिश की जा रही है। उनकी बहुआयामी विरासत को एकतरफा तरीके से नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा- यह प्रयास कौन कर रहा है, हम सभी जानते हैं। यह वे ताकतें हैं जो साल-दशकों से सक्रिय हैं और अब सामने आई हैं। ये उस विचारधारा से जुड़ी हैं, जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था और न ही संविधान निर्माण में उनकी कोई भूमिका थी। बल्कि, उन्होंने संविधान का विरोध किया और उसकी प्रतियां जलाने तक की घटनाएं की थीं। सोनिया ने कहा- यह वही विचारधारा है जिसने लंबे समय पहले नफरत का माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई। आज भी उस विचारधारा को मानने वाले लोग गांधी के हत्यारों का महिमामंडन करते हैं। यह विचारधारा लगातार हमारे नेताओं के मूल्यों को खारिज करती रही है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के भस्मासुर- गौरव भाटिया

सोनिया गांधी के बयान के बाद बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का भस्मासुर कहा। उन्होंने कहा कि नेहरू की गलतियों को मोदी सरकार ने ठीक किया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी नेहरू की लेगेसी की बात करती हैं तो ये किस तरह की लेगेसी है। हिंदी चीनी भाई भाई का नारा नेहरू ने दिया था लेकिन नेहरू ने ह सिक्योरिटी काउंसिल की सीट चीन को दी थी। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को जब सरकार बुलाती है तो वो नहीं पहुंचते हैं। वे 15 अगस्त को लाल किले पर नहीं आए। ष्टछ्वढ्ढ के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं पहुंचे। वे अपरिपक्व हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को नहीं पता कि किसके सामने क्या बोलना है। उन्होंने कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी, अरविंद केजरीवाल की पार्टी, तेजस्वी यादव की पार्टी को निपटा दिया।

हरियाणा की सुरुचि ने शूटिंग वर्ल्ड कप जीता, मनु भाकर को 5वां स्थान

चंडीगढ़ की संयम को सिल्वर मेडल

झज्जर

दोहा शूटिंग वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में हरियाणा की सुरुचि फोगाट ने गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन कर दिया। इसके साथ ही सुरुचि ने पॉइंट्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है।

वहीं, चंडीगढ़ की संयम दूसरे नंबर पर रही, उन्होंने सिल्वर मेडल जीता है। जबकि मुकाबले में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर हार गईं। मनु प्रतियोगिता में पांचवें नंबर पर रहीं।

गोल्ड मेडल जीतने के बाद सुरुचि ने कहा कि ये मेरा पहला वर्ल्ड कप फाइनल था। मैंने जो सोचा था, उसी के अनुरूप रिजल्ट रहा। मुझे वर्ल्ड रिकॉर्ड के बारे में ध्यान नहीं था, बस रिजल्ट पर फोकस रखा। मैंने स्कोर की तरफ नहीं देखा। मेडल जीतने पर ही ध्यान था।

संचार साथी ऐपः अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

ललित गर्ग

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं।

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों,

तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठा परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है।

यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि 'स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।' इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

संपादकीय

हिंद-रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के प्रवास पर हैं। वह अपने साथ दोस्ती की नई पेशकशें और आयाम लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 5 दिसंबर को शिखर, द्विपक्षीय संवाद के बाद जो साझा बयान जारी किया जाएगा और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, उनके बाद दोस्ती, सहयोग, समर्थन नई ऊंचाइयां छुएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने भी रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। वह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26, 000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक-तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुमार्ने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रेलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य-शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत-रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा।

चिंतन-मनन

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चिंत रूप से सोती और निश्चिंत जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढिया निश्चिंत सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढिया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आप्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढिया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है। फिर वह पूर्ण अनुशासित हो जाता है, नियंत्रित हो जाता है। जागरूकता का विकास सिद्धान्त को जानने मात्र से नहीं होता। उसका विकास तब होता है, जब साधक उचित दिशा में जागरूकता का अभ्यास करे।

ध्रुव तारे की तरह अटल है भारत-रूस की दोस्ती

सनत जैन

भारत-रूस के दोस्ताना ताल्लुक सात दशक से बराबर चले आ रहे हैं। फिर चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सांस्कृतिक संबंधों की बात ही क्यों न हो। हिन्दी सिने जगत ने तो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अहम भूमिका अदा की। वैश्विक धरातल पर फिल्मी जगत की बात करें तो राज कपूर का नाम जरुर आता है, जिन्होंने 70 एमएम के रुपहले पर्दे पर मेरा नाम जोकर फिल्म को प्रदर्शित कर भारत-रुस संबंधों को एक तरह से मजबूत करने में सहयोग प्रदान किया। भारत-रूस संबंध आज उस ऐतिहासिक विरासत के साथ खड़े हैं, जिसकी जड़ें बीते कई दशकों में गहराई तक जा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान जब इस दोस्ती को ध्रुव तारे जैसा अटल बताया, तो यह सिर्फ कूटनीतिक विनम्रता नहीं थी; बल्कि उन यादों, संघर्षों और वैश्विक उथल-पुथल का सम्मान था, जिनमें यह संबंध समय-समय पर परखे गए और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे। एक नया दौर वर्ष 2000 में शुरू हुआ, जब पुतिन और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक संबंधों का ढांचा तैयार किया। इसके मात्र दस वर्ष बाद इसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत कर दिया गया। यह वही समय था जब दुनिया आतंकवाद, आर्थिक संकट और नई शक्ति-संरचनाओं के बीच खुद को पुनर्परिभाषित कर रही थी। इसके बावजूद भारतझ्ररूस संबंध स्थिर रहे, एक ऐसे स्थायित्व का प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुव तारा कहकर परिभाषित किया है। पिछले ढाई दशकों में रूस ने भारत के साथ रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ताना-बाना बुना। चाहे ब्रह्मोस मिसाइल की संयुक्त परियोजना हो, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद हो, या फिर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इन सभी ने इस साझेदारी को वास्तविक और प्रभावशाली रूप दिया। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर रूस भारत का एक विश्वसनीय स्तंभ रहा है। पीएम मोदी ने इसे साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया है और यह सही भी है, क्योंकि सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा से लेकर क्रूड ऑयल तक, रूस ने भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जब दुनिया नई तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स पर आधारित नई औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, तो भारत और रूस का सहयोग एक बार फिर निर्णायक साबित हो गया है। क्रिटिकल मिनरल्स में संयुक्त पहलों से सुरक्षित सप्लाई चेन बनेगी, वहीं शिपबिल्डिंग सहयोग ह्यमेक इन इंडियाह्व को नई गति देगा। यह सहयोग सिर्फ औद्योगिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्कता को लेकर भी गहरे प्रभाव डालेगा। इतिहास गवाह है कि भारत-रूस की दोस्ती संकटों और संघर्षों की भट्टी में तपकर बनी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले से लेकर रूस के क्रोकस सिटी हॉल हमले तक का ज़िक्र करते हुए कहते हैं, कि आतंकवाद की जड़ें भले भिन्न भूभागों में हों, पर उद्देश्य एक ही होता है, मानवता पर हमला। यही कारण है कि भारत और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, यूएन, जी-20, ब्रिक्स, एससीओ सभी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। दोनों देशों की यह नैतिक एकता वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवादी हमले और शांतिप्रिय देशों की बढ़ती परेशानी के बीच जब आज प्रधानमंत्री मोदी यह कहते हैं, कि भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है।, तो यह वक्तव्य वैश्विक कूटनीति के एक नए दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है। गुटनिरपेक्षता के धरातल पर चलते हुए भारत शांति को अपनी विदेश नीति का केंद्र मानता है और रूस के साथ मिलकर इस दिशा में काम करता रहा है। पुतिन

द्वारा राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करना इसी संदेश को आगे बढ़ाता है कि शक्ति और शांति की अवधारणाएँ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। इस अवसर पर यह स्वीकारना आवश्यक है, कि रूस-भारत संबंध पुतिन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। मोदी का यह कहना, कि हर परिस्थिति में पुतिन की दूरदर्शिता ने इस रिश्ते को मजबूती दी। केवल राजनयिक प्रशंसा नहीं, बल्कि संबंधों की निरंतरता के प्रति आभार है। दुनिया बहुध्रुवीय युग की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत-रूस की यह स्थिर साझेदारी ध्रुव तारे की तरह ही मार्गदर्शक है, अटल, स्थिर और विश्व व्यवस्था में संतुलन का प्रतीक। आने वाले वर्षों में यह संबंध केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे ऐसी उम्मीद है।

अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की त्रिवेणीः एकता, बंधुत्व और सम्मान

दिलीप कुमार पाठक

विदेश जाकर अर्थशास्त्र डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. अम्बेडकर पहले भारतीय थे, जब वे 1926 में भारत आए तब उन्हें मुंबई की विधानसभा का सदस्य चुना गया ' अम्बेडकर आजाद देश के पहले कानून मंत्री थे, साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था ' डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान निमार्ता भी थे, इसलिए आजाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीतिक में उनका कद बहुत विशाल है, आज 06 दिसम्बर को डॉ. अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है, पुण्यतिथि को ही परिनिर्वाण दिवस कहते हैं ' डॉ. अम्बेडकर संविधान निमार्ता के साथ परम विद्वान, सामाजिक न्याय, एवं स्त्रियों के अधिकारों के लिए भी याद किए जाते हैं ' आज हमारे देश में स्त्रियों की स्थिति में सुधार हो रहा है, इसका सबसे बड़ा श्रेय भी बाबा साहब अम्बेडकर को जाता है, डॉ. अम्बेडकर का कद भारतीय राजनीति में वही है जो नेहरू, पटेल, का है, देश दुनिया में उनके चाहने वाले बाबा साहेब कहकर संबोधित करते हैं ' आज के दौर में लोगों की धारणा है कि डॉ. अम्बेडकर दलितों के नेता थे, लेकिन वे देश के अग्रणी नेता थे जो खुद एक विचार बन गए ' किसी भी व्यक्ति का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाना इसलिए महत्वपूर्ण कि इस दिन लोग उनकी बुराईयों की बजाय उनकी अच्छाईयों को याद करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लेते हैं । बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर बिना भेदभाव के दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और देश के सर्वांगीण विकास के लिए आजीवन समर्पित रहे । बाबा साहेब डॉ. की मृत्यु 6 दिसम्बर 1956 को हुई थी, यही कारण है कि डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिन या पुण्यतिथि हर साल उन्हें 6 दिसम्बर को देश में ही नहीं विदेशों में भी श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये मनाया जाता है । वे, 'भारतीय संविधान के जनक' थे, उनके प्रयास और मेहनत के परिणाम के बाद ही भारत को अपना संविधान प्राप्त हो पाया है, डॉ. अम्बेडकर बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत ही उत्साहित रहते थे, परन्तु महार जाति के होने के कारण उनके साथ भेद-भाव किया जाता था । उनकी मृत्यु विवादित रही कि उनकी मृत्यु स्वाभाविक थी या हत्या, जिसका आज तक पता न चल सका । इस दिन दलित वर्ग उनकी प्रतिमा पर फूल, माला, दीपक और मोमबत्ती जलाकर और संविधान की प्रति भेंट करके उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और एक सबसे प्रसिद्ध नारा 'बाबा साहेब अमर रहें' लगाते हैं । इस अवसर पर बौद्ध भिक्षु सहित कुछ लोग कई पवित्र गीत भी गाते हैं ' डॉ. अंबेडकर ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक भारत की नींव रखी थी, ऐसा एक सच्चा और समर्पित देशभक्त ही कर सकता है, उन्होंने कहा था 'हम भारतीय हैं, सबसे पहले भी और अंत में भी ।' लेकिन देश उनके इस योगदान को लेकर आज भी जागरूक नहीं है ।

उनके विचार व सिद्धांत भारतीय राजनीति के लिए हमेशा से प्रासंगिक रहे हैं । दरअसल वे एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था के हिमायती थे, जिसमें राज्य सभी को समान राजनीतिक अवसर दे तथा धर्म, जाति, रंग तथा लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न किया जाए। उनका यह राजनीतिक दर्शन व्यक्ति और समाज के परस्पर संबंधों पर बल देता है । उनका कहना था 'राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं चल सकता जब तक कि सामाजिक लोकतंत्र का आधार नहीं होता । सामाजिक लोकतंत्र का क्या अर्थ है? इसका मतलब जीवन का एक तरीका है जो जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को पहचानता है । उनका यह दृढ़ विश्वास था कि जब तक आर्थिक और सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, तब तक जनतंत्र की स्थापना अपने वास्तविक स्वरूप को ग्रहण नहीं कर सकेगी ' दरअसल सामाजिक चेतना के अभाव में जनतंत्र आत्मविहीन हो जाता है । ऐसे में जब तक सामाजिक जनतंत्र स्थापित नहीं होता है, तब तक सामाजिक चेतना का विकास भी संभव नहीं हो पाता है ।

डॉ. अम्बेडकर भारतीय समाज में स्त्रियों की हीन दशा को लेकर काफी चिंतित थे । उनका मानना था कि स्त्रियों के सम्मानपूर्वक तथा स्वतंत्र जीवन के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है । अम्बेडकर ने हमेशा स्त्री-पुरुष समानता का व्यापक समर्थन किया । इस संबंध में उनका कहना था 'पति-पत्नी के बीच का रिश्ता करीबी दोस्तों के जैसा होना चाहिए' और 'मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है ।' यही कारण है कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम विधिमंत्री रहते हुए 'हिंदू कोड बिल' संसद में प्रस्तुत किया और हिन्दू स्त्रियों के लिए न्याय सम्मत व्यवस्था बनाने के लिए इस विधेयक में उन्होंने व्यापक प्रावधान रखे । उल्लेखनीय है कि संसद में अपने हिन्दू कोड बिल मसौदे को रोके जाने पर उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया । इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की बात कही गई थी । दरअसल स्वतंत्रता के इतने वर्ष बीत जाने के पश्चात व्यावहारिक धरातल पर इन अधिकारों को लागू नहीं किया जा सका है, वहीं आज भी महिलाएँ उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव हिंसा, समान कार्य के लिए असमान वेतन, दहेज उत्पीड़न और संपत्ति के अधिकार ना मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं । डॉ. अम्बेडकर ने अपनी विचारधारा, अपनी सोच एवं शिक्षा से सभी की ज़िन्दगी में सकारात्मकता फैलाई ' डॉ अम्बेडकर के विचार हमारे देश के लिए महान विरासत हैं, जो हमेशा प्रासंगिक रहेंगें '

बाइक चोर गिरोह का भांडफोड़, आधा दर्जन से ज्यादा मोटर साइकिल बरामद, एक बाइक चोर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

प्रतापनगर थाना पुलिस ने 22 नवंबर को थाना सर्कल में चोरी हुई मोटरसाईकिल की घटना का खुलासा करते हुए आधा दर्जन से ज्यादा बाइक बरामद की है साथ ही घटना में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है । साथ ही इस घटना के अलावा चोरी हुई मोटरसाईकिल सहित अन्य स्थानों से की गई चोरी की कुल 10 मोटरसाइकिल बरामद की है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले में वाहन चोरी के मामले में वांछित चल रहे अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत मोटरसाईकिल चोरी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए एएसपी पारस जैन मुख्यालय के निर्देशन में एवं सज्जन सिंह वृत्ताधिकारी, वृत शहर भीलवाडा के निकटतम सुपरविजन में थाना प्रभारी राजपाल सिंह थाना प्रतापनगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया ।

दिनांक 03.12.2025 को प्रार्थी अनुराग पिता राजेन्द्र हरिजन उम्र 22 साल निवासी आसनधारी महादेव मन्दिर एफ.सी. रोड हरिजन बस्ती भीलवाडा ने प्रतापनगर थाने पर एक रिपोर्ट पेश की जिसमे बताया की वह डांगी फ़ैक्ट्री के पास जूडियो कपड़ों के शोरूम पर काम करता है दिनांक 22/11/25 को वह काम पर 3 बजे गया उसकी गाड़ी मोटरसाईकिल हिरो स्पलेंडर को शोरूम के बाहर खड़ी कर वह काम पर लग गया था शाम को क़रीब 6 बजे वह शोरूम से बाहर घर जाने के लिए निकला तो उसकी मोटरसाइकिल शोरूम के बाहर खड़ी नहीं मिली उसने उसकी गाड़ी कि काफ़ी तलाश की मगर उसकी गाड़ी का कोई पता नहीं चला उसकी मोटरसाईकिल को कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया । रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने अनुसंधान प्रारम्भ किया । प्रकरण में गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व संदिग्धों से पुछताछ के आधार पर मोटर साईकिल चुराने वाले आरोपी सौरभ उर्फ पंकज प्रजापत को गिरफ्तार किया । मामले में चोरी हुई मोटर साईकिल सहित कुल 10 मोटरसाईकिल बरामद की गई।

टीम में यह थे मौजूद

प्रतापनगर थाना प्रभारी राजपाल सिंह, हैड कांस्टेबल परसराम शर्मा, हैड कोंस्टेबॉल रतनलाल, चन्द्रपालसिहं हैड कानि जिला विशेष टीम भीलवाडा, कांस्टेबल केदार जाट थाना प्रतापनगर जिला भीलवाडा, कोसते दिलिपसिहं जिला विशेष टीम भीलवाडा, बिल्लू जाट थाना प्रतापनगर, कोंस्तेब भुपेन्द्रसिहं जिला विशेष टीम, अनिल कुमार जिला विशेष टीम, दिलिपसिंह, जिला विशेष टीम भीलवाडा, राधेश्याम जिला विशेष टीम, हरवीर कुमार जिला विशेष टीम, पवन कुमार जिला विशेष टीम भीलवाडा शामिल थे ।

यह हुआ गिरफ्तार

सौरभ उर्फ पंकज पिता हरिराम प्रजापत उम्र 24 वर्ष निवासी जिम के पास छोटी पुलिया थाना सुभाषनगर भीलवाडा

मांडल में एक ही रात में लूट और चोरी की दो वारदात

दंपत्ति से मारपीट कर जेवरात लूटे

स्मार्ट हलचल

मांडल। मांडल कस्बे में शुक्रवार देर रात लुटेरों और चोरों ने दो अलग-अलग वारदातों को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत फैला दी। पहली घटना जोशी वाटिका में हुई, जहां अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर दो रजाई और एक पानी की केन चोरी कर ली। वारदात के बाद सुबह ताले टूटे मिले तो स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस वारदात में शामिल बदमाशों की हरकतें वाटिका के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। इसी बीच दूसरी बड़ी घटना गोपाल द्वारा स्कूल के आगे स्थित खेत में हुई। खेत की रखवाली के लिए सो रहे दंपत्ति– चांदी देवी पत्नी सरवण बेरवा और उनके पति–पर देर रात ढाई से तीन बजे के बीच तीन-चार नकाबपोश बदमाशों ने हमला किया। बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट की और चांदी देवी के डेढ़ तोला सोने की मांदलियां, हाथों के कड़े और चांदी की पायजेब लूटकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास खेतों व रास्तों में सर्च अभियान चलाया, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। लगातार दो वारदातों से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाबासाहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित

स्मार्ट हलचल

रायपुर। 6 दिसंबर आज उपखण्ड मुख्यालय रायपुर में डा अम्बेडकर सर्किल पर संविधान निर्माता भारत रत्न डा भीमराव अम्बेडकर साब को 69वें परी निर्वाण दिवस पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी इसमें डा भीमराव अम्बेडकर युवा संगठन संस्था रायपुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम में ज्ञानचंद खटीक अध्यक्ष डा भीमराव अम्बेडकर युवा संगठन संस्था रायपुर,रोशन लाल खटीक बोराणा अजय सिंह राणावत,विनोद भील, दिव्यांश बोलीवाल,प्रेम शंकर सालवी, राजकुमार रेडर, शिवनाथ सपेरा आदी मौजूद रहे।

सरकारी विद्यालय में ट्रक चालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, दो बच्चो का पिता था, संदिग्ध कार परिसर में मिली, फैली सनसनी

स्मार्ट हलचल| आसींद/मोड़ का निंबाहेड़ा

आसींद थाना क्षेत्र के मोड़ का निंबाहेड़ा पंचायत के ब्रह्मपुरी गांव में स्थित सरकारी विद्यालय परिसर में शनिवार सुबह सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां एक ट्रक चालक ने फांसी का फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही आसींद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। विद्यालय परिसर में मृतक के पास जयपुर पासिंग की स्विफ्ट डिजायर कार भी खड़ी मिली, जिसके बाद पुलिस आत्महत्या के कारणों और मृतक की पहचान को जानने में जुट गई । भीलवाड़ा से एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर आत्महत्या के कारणों व अन्य एंगल से पुलिस ने जांच की , आसींद थानाधिकारी श्रद्धा पंचोरी, थानेदार हंसपाल सिंह सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा भीलवाड़ा से आई टीम ने मौका मुआयना किया एवं मृतक के परिजनों को भी मौके पर बुलाया । मृतक की पहचान महावीर पिता प्रभु लाल भील निवासी लीरडिया (रायला) के रूप में हुई मृतक के पिता प्रभु लाल भील सहित भील समाज के लोग मौके पर पहुंचे ।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुबह स्कूल पहुंची तो लाश देख घबरा गई

सुबह स्कूल पहुंची आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्कूल के बाहर खड़ी स्विफ्ट कार देखकर चोरी की आशंका जताई। वह जब स्कूल परिसर में पहुंची तो आंगनवाड़ी भवन के पास पेड़ से लटका शव देखकर घबरा गई। तुरंत आसींद थाने को सूचना दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित करवाया। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए और स्थल की फोटोग्राफी करवाई। इसके बाद शव को फंदे से उतारकर आसींद अस्पताल की मोर्चरी भेजा गया। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि महावीर ने खुदकुशी की या उसके साथ कोई अन्य घटना घटी। पुलिस का कहना है कि परिजनों की रिपोर्ट और जांच के बाद ही परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। महावीर के दो छोटे बच्चे हैं और वह ट्रक चलाकर परिवार का पालन कर रहा था। अचानक मिली उसकी मौत की खबर से परिजनों में गहरा शोक है। पुलिस मामले की गहनतापूर्वक जांच कर रही है।

अम्बेडकर विचार मंच बिजौलिया के पांचवें शिविर मे 141 यूनिट रक्तदान

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। भारत संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष में आज दिनांक 6 दिसंबर शनिवार को अंबेडकर विचार मंच बिजोलिया के तत्वादान में पांचवा रक्तदान शिविर संपन्न हुआ।

रक्तदान शिविर में कुल 141 यूनिट रक्तदान हुआ रक्तदान शिविर में बिजोलिया के आसपास के युवा, विद्यार्थी, महिलाए, कर्मचारी एवं अधिकारी विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवी रक्तदाताओं ने भाग लिया रक्तदान में भीलवाड़ा ब्लड बैंक की टीम वह एचडीएफसी बैंक के सुखवीर सिंह एवं रामा कृष्णा पुरम के डायरेक्ट्रर मुकेश मीणा ने सहयोग किया, उक्त रक्तदान शिविर अम्बेडकर विचार मंच अध्यक्ष किशन कुमार खटिक दिनेश मीणा कमलेश कुमार धोबी, प्रकाश चंद्र मीणा तूफान यादव अनिल कुमार खटीक सोजी राम जगदीश दिलखुश रेगर विजयपाल कमलेश कोली महेंद्र रतिराम मीणा गिशुलाल रैगर नंदलाल विमल जैन प्रेम पुरी और महिलाएं अनिता कुमारी निर्मला मेघवाल ऐश्वर्या मेघवाल देविका यादव पायल राजपूत लक्ष्मी बंजारा रिंकी सोलंकी किशन मीणा सुखपाल हेमंत जगदीश के सहयोग से संपन्न हुआ।

बाबा साहेब अमर रहे नारो के साथ युवाओ ने मनाई पुण्यतिथि

स्मार्ट हलचल| काछोला

काछोला तहसील क्षेत्र के जाल का खेडा ग्राम में रेगर समाज के युवाओं द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा/फोटो फ्रेम पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और 'बाबा साहेब अमर रहें' के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता भगवान लाल रेगर ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने महिला शिक्षा, समानता और संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों के महत्व पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हम सभी को बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलते हुए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, तभी समाज प्रगति कर सकता है। इस अवसर पर हेमराज रेगर, कमलेश, ओमप्रकाश, गणेश, हीरालाल, चन्ता कुमारी, रेणु कुमारी, कैलाश, देवराज, वैभव सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

छत से दस फीट नीचे गिरा युवक, नीचे पड़े थे पत्थर गंभीर चौट लगने से मौत

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। बिजौलियाँ क्षेत्र के भैरूपुरा गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक घर पर चूल्हा जलाने के लिए छत पर रखी लकडियां लेने गया इस दौरान युवक का पैर फिसलने से 10 फीट हाइट वाली छत से सर के बल नीचे गिर गया था।

हेड कांस्टेबल राम सिंह ने बताया कि मृतक शंभू लाल बलाई उम्र 35 वर्ष पुत्र पन्नालाल सवेरे घर की छत पर लकडियां लेने गया था। छत पर फिसलन होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ा और वह सीधे नीचे पत्थरों पर जा गिरा। जिससे उसके सिर में गहरी चोटे आई और वह मौके पर ही अचेत हो गया। परिजन उसे बिजौलिया अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया वही मृतक शंभू लाल मजदूरी करता था। मृतक के पत्नी, दो पुत्रियां एक पुत्र हैं फिलहाल पुलिस मामले की जात में जुटी।

बजरी दोहन करते तीन ट्रैक्टर ट्राली जब्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई करते हुए सोलंकिया का खेड़ा गांव के पास से तीन ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया । थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के सोलंकिया का खेड़ा गांव के पास थाने व आईपीएस मानव उपाध्याय की टीम ने अवैध बजरी खनन के मामले में तीन ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर थाने लाकर खड़ा किया, इस कार्रवाई से क्षेत्र के बजरी माफियों में हड़कंप सा मच गया । वही बड़लियास थाना क्षेत्र में सोलंकिया का खेड़ा बनास नदी नाके से सबसे अधिक बजरी का दोहन हो रहा है।

7 साल पहले स्मैक के साथ गिरफ्तार हुए आरोपी को एनडीपीएस कोर्ट ने सुनाई सजा, 4 वर्ष कठोर कारावास और 40 हजार रु अर्थदंड से किया दंडित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

एनडीपीएस कोर्ट भीलवाड़ा के विशिष्ट न्यायाधीश जगदीश प्रसाद शर्मा ने शनिवार को दूसरे दिन भी अवैध मादक पदार्थ मामले में अहम फैसला सुनाते हुए सात साल पहले स्मैक के साथ पकड़े गए आरोपी को चार वर्ष कठोर कारावास और 40 हजार रु के अर्थदंड की सजा सुनाई । वर्ष 2018 में दो आरोपी बबलू पिता सियाराम मीणा निवासी मोहनपुरा बालघाट जिला करौली और उदय सिंह पिता बच्चू सिंह गुर्जर निवासी सागरपुर नादौती जिला अजमेर को सुभाष नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था । विशिष्ट लोक अभियोजक रामचंद्र गुर्जर ने बताया की सुभाष नगर थाने के तत्कालीन थानाप्रभारी भजन लाल टीम के साथ गश्त पर निकले थे रोडवेज बस स्टेंड परिसर पहुंचने के बाद वहां केबिन नंबर एक पर दोनो आरोपी संदिग्ध लगे जिनके पास पहुंचे पूछताछ की तो घबरा गए बबलू के पास एक काला बैग था जिसकी जांच करने पर उसमे से 140 किलोग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई और दूसरे आरोपी के पास से 100 ग्राम स्मैक बरामद की, जिस पर दोनो को गिरफ्तार किया ओर 240 ग्राम स्मैक को जप्त किया । जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में चालान पेश किया । ट्रायल के दौरान दूसरा आरोपी उदयसिंह मफरूर घोषित किया गया । वही सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपी बबलू मीणा को विशिष्ट न्यायाधीश जगदीश चंद्र शर्मा ने दोषी माना और 4 साल कठोर कारावास के साथ 40 हजार रु जुर्माना लगाया । वही अभियोजन पक्ष ने दोषी पर अपराध सिद्ध करने के लिए 11 गवाह और 54 दस्तावेज पेश किए।

महापरिनिर्वाण दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आज भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन मूल्यों पर अपने विचार प्रकट किए।

इस दौरान कमलेश कोली, यौवन कोली, चेतन पवार, इमरान हुसैन,पंकज जैन, महेंद्र गुर्जर, प्रकाश मीणा, अनिल खटीक, आदर्श सोनी आदि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोड़ का निम्बाहेड़ा में रास्ते पर अवैध अतिक्रमण के विरोध में ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। आसींद उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोड़ का निम्बाहेड़ा के ग्रामीणों ने गांव के एक सार्वजनिक रास्ते पर हुए कथित अवैध अतिक्रमण और नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने के विरोध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने रास्ते को तुरंत अतिक्रमण मुक्त कराने, यदि कोई पट्टा जारी हुआ है तो उसे निरस्त करने और दोषी व्यक्तियों व अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की है।

60 फीट चौड़ा रास्ता तारबंदी से हुआ अवरुद्ध

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि मोड़ का निम्बाहेड़ा के रेगर मौहल्ला में आबादी भूमि से हाईवे रोड की ओर खेतों तक जाने वाला एक 60 फीट चौड़ा सार्वजनिक रास्ता है, जिसका उपयोग आमजन वर्षों से आवागमन और कृषि उपकरण जैसे बैलगाड़ी, ट्रैक्टर आदि लाने-ले जाने के लिए करते आ रहे हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हाल ही में गाँव के कुछ विपक्षीगणों (सत्यनारायण पुत्र श्री पेमाराम रेगर, अमरचन्द पुत्र श्री पेमाराम रेगर और कालूराम पुत्र श्री छोगा रेगर) द्वारा जबरन रात-ही-रात इस रास्ते की भूमि पर तारबंदी कर दी गई है, जिससे यह 60 फीट चौड़ा रास्ता अब सिमटकर केवल 8-10 फीट का रह गया है। इससे आवागमन मुश्किल हो गया है और रास्ते की संकीर्णता के कारण 3-4 दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं।

धमकियों का भी आरोप

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अतिक्रमणकारी विपक्षी गण आए दिन धमकियां दे रहे हैं कि यदि किसी ने शिकायत की, तो वे उसके और उसके परिवार के हाथ-पैर तोड़ देंगे और झूठे एससी/एसटी के मुकदमे लगाकर फंसा देंगे।

नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने का आरोप

ग्रामीणों ने बताया कि जब उन्होंने विपक्षी गणों को तारबंदी के संबंध में आपत्ति जताई, तो उन्होंने सरपंच और सचिव के साथ मिलकर रास्ते की भूमि के पट्टे जारी करवा लेने का दावा किया।ग्रामीणों का स्पष्ट मत है कि उक्त भूमि वर्षों से रास्ते के रूप में उपयोग हो रही है और यह न तो विपक्षी गणों की पुश्तैनी है और न ही ग्राम पंचायत द्वारा इसकी नीलामी की गई है। राजस्थान पंचायती राज नियमों के अनुसार, रास्ते की भूमि पर पट्टे जारी नहीं किए जा सकते। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यदि पट्टे जारी किए गए हैं, तो वे सरपंच, सचिव और विपक्षी गणों की मिलीभगत के तहत अवैध तरीके से जारी किए गए हैं।

ज्ञापन में यह है कार्यवाही की मांग

रास्ते से अवैध अतिक्रमण (तारबंदी) हटाकर 60 फीट रास्ते का तुरंत खुलासा कराया जाए।यदि रास्ते की भूमि पर किसी भी प्रकार का पट्टा आदि जारी हुआ है, तो उसे निरस्त किया जाए। दोषी व्यक्तियों (अतिक्रमणकारी, सरपंच, सचिव) के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस गंभीर मामले में हस्तक्षेप कर न्याय प्रदान करने और सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश देने का निवेदन किया है।

वैश्विक शान्ति सम्मेलन में होगा रूप सिंह का अभिनन्दन

स्मार्ट हलचल| सुराज

भारत-नेपाल की सांस्कृतिक एकता और वैश्विक समरसता को बढ़ावा देने हेतु कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच एवं इंडो-नेपाल समरसता ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले वैश्विक शान्ति सम्मेलन एवं विचार प्रजेंटेशन में राजस्थान के ब्यावर ज़िले के रूढाणा तारागढ़ (जवाजा) के समाजसेवी रूप सिंह को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा।

अल-आईसी अध्यक्ष क्लब के सक्रिय सदस्य रूप सिंह को समाज सेवा, अंतर्राष्ट्रीय समन्वय और भारत-नेपाल को सशक्त बनाने में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु चयनित किया गया है। इस अवसर पर दुनिया के अनेक देशों से प्रतिनिधियों का आगमन होगा, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ जाएगी। सम्मेलन के मुख्य आकर्षण के रूप में रूप सिंह को 'एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड' नेपाल सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति न्यायमूर्ति परमानन्द झा द्वारा भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। रूप सिंह के चयन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र व समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने इस उपलब्धि पर गौरव एवं खुशी व्यक्त की है।

सांसद अग्रवाल ने लोकसभा में हिंदू धार्मिक स्थलों के सौ वर्गमीटर की दूरी में मांसाहार की दुकानें नहीं रखने का प्रस्ताव रखा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाड़ा साँसद दामोदर अग्रवाल ने हिंदु धार्मिक स्थलों के सौ वर्गमीटर दूरी तक मांसाहार को निषेध करने का प्रस्ताव लोकसभा के सदन में रखा है। साथ ही अग्रवाल ने इसके लिये कानून बनाने की भी मांग की। साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि मंदिरों, देवालयों के सौ वर्ग मीटर के दायरे में पशुओं को काटने, खुले में लटकाने, बेचने, पकाने और खाने की गतिविधियों पर रोक लगाने व ऐसे कृत्य को अपराध घोषित करने का एक प्रस्ताव भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल की ओर से लोकसभा के सदन में रखा गया । साथ ही सांसद अग्रवाल ने इसे जल्द ही पारित कर लागू करने की मांग भी की।

इस प्रस्ताव के अनुसार इन कृत्यों से श्रद्धालुओं की उपासना में पवित्रता और सात्विकता नहीं रहती है और ऐसे कृत्यों को देखने, सूंघने और सुनने के माध्यम से संपर्क में आने के कारण उपासना खंडित होने की आशंका बन जाती है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रस्तावित बिल में विशेष धार्मिक अधिकारी नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव किया गया है। इन धार्मिक अधिकारियों को मांसाहारी नहीं होने व पूजा व प्रवचन का पालन करने वाला होना होगा। जिन्हें सरकार की ओर से समुचित वेतन और भत्ते भी दिए जाएं। ये अधिकारी मंदिर, धर्म स्थल के 100 वर्गमीटर के दायरे में

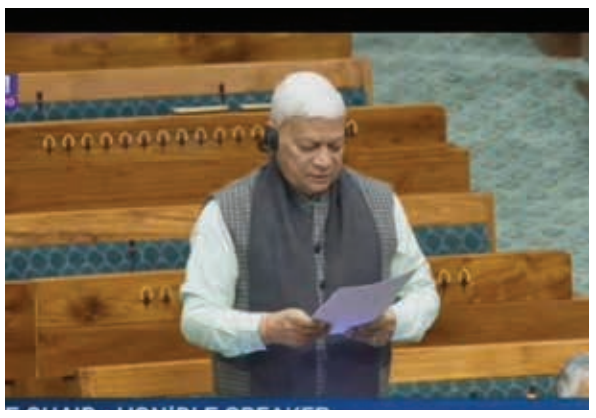

किसी भी स्थान तक पहुंच कर जांच करने, पूछताछ करने का अधिकार होगा और उल्लघंन पाए जाने पर ऐसे वाहन, साधन और मवेशी का जिन्हें उक्त उपयोग के लिए लाया जा रहा हो, का अधिग्रहण करने का अधिकार होगा। मवेशी की देख रेख धार्मिक अधिकारी कर सकेगा और उनके साथ निरुद्ध किए व्यक्तियों को पुलिस को अग्रिम कार्यवाई के लिए सौपनें का प्रावधान किया गया है साथ ही उक्त अपराध मे दोषी को अदालत की ओर से तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की सजा के साथ-साथ तीन से पांच लाख रूपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित गैर सरकारी बिलों में प्रस्तावित तथ्यों, सिफारिशों पर श्रृंखला के तहत धार्मिक अधिकारी नियुक्त कर हो निगरानी की व्यवस्था।

साँसद अग्रवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार इस कार्य को करने के लिए राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करे, इसलिए उनके द्वारा प्रस्तावित बिल में यह प्रावधान किया गया है कि इस बिल के प्रावधानों को लागू करवाने के लिए बिल पास होने पर केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करे।

प्रस्तावित बिल के अनुसार देवालय की परिभाषा में जिसे सार्वजनिक धार्मिक उपासना स्थल के रूप में प्रयुक्त किया जाता हो और जो हिन्दू समुदाय या उसके किसी वर्ग को समर्पित है इसमें सांस्कृतिक संस्था, मठ, मंडप या पुस्तकालय भी शामिल रहेंगे। प्रस्तावित बिल का उद्देश्य है कि पूरे हिन्दुस्तान में धार्मिक स्थलों पर 100 मीटर की परिधि में मांस के कारोबार, वितरण पर पाबंदी लगे। इसके लिए कानून बने। देश में साम्प्रदायिक सद्भाव बना रहे और आमजन की धार्मिक आस्था बनी रहे।

भाजपा ने डॉ अंबेडकर के 66 वे महापरीनिर्वाण दिवस पर पुष्पांजलि

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भाजपा एस सी मोर्चा द्वारा भारतीय संविधान के वास्तुकार, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्य तिथि) पर अम्बेडकर सर्कल ,रेल्वे स्टेशन पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के नेतृत्व में आज प्रातःउनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने कहा कि अंबेडकर के 66 वी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है अंबेडकर ने समाज में व्याप्त छुआछूत दलितो, महिलाओं और मजदूरों से भेदभाव जैसी कुरिति के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले बाबा साहब को भारतीय संविधान का आधार स्तंभ माना जाता है इस अवसर पर मेवाड़ा ने कहा कि उनके सामाजिक न्याय, समानता के संघर्ष व भारतीय संविधान निर्माण में योगदान को याद किया जाता है।

भाजपा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी ने बताया कि इस अवसर पर नगर निगम महापौर राकेश पाठक एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष पूरण डीडवानिया, भाजपा जिलामहामंत्री प्रहलाद त्रिपाठी ,जिला उपाध्यक्ष मंजू चेचानी ,गोपाल तेली, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल , भाजपा एससी मोर्चे से हीरा लाल बोहरा जिला महामंत्री , शिव प्रकाश चन्नाल उपाध्यक्ष एससी मोर्चा, घनश्याम बैरवा जिला उपाध्यक्ष एससी मोर्चा,राजेश जीनगर सोशल मीडिया प्रभारी एससी मोर्चा, पवन बैरवा जिला आई टी प्रभारी, हरीश सालवी महामंत्री शास्त्री मंडल, तेजेंद्र सिंह शक्तावत महामंत्री गणेश मंडल, गिरिराज मेघवाल उपाध्यक्ष गणेश मंडल, सत्यनारायण खोईवाल, मंजू पालीवाल महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष, मुकेश चेचानी आदि उपस्थित थे।

मालौला सरपंच के खिलाफ उतरे वार्ड पंच, दर्ज झूठे प्रकरण में निष्पक्ष जांच की उठी मांग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

मालौला ग्राम पंचायत के वार्ड पंच मलौला सरपंच के विरोध में उतर आए है दरअसल सरपंच कालूराम बलाई द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल गुर्जर निवासी जिपिया खेड़ी के विरुद्ध मांडल थाने में अलग अलग धाराओं में मामला दर्ज करवाया गया था । वार्ड पंचों ने झूठा मुकदमा दर्ज करवाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और बयान दर्ज करवाने की मांग की है । इसके लिए पंचों ने विरोध स्वरूप जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोपा । ज्ञापन में बताया की गोपाल गुर्जर ग्राम पंचायत मालोला के क्षेत्राधिकार का निवासी है और गोपाल गुर्जर सामाजिक कार्यकर्ता है और सदैव आमजन के कार्यों व जनहित कार्यों को करने के लिए तैयार व तत्पर रहते है और आमजन के हितार्थ व लाभार्थ कार्य किया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता होकर लोकप्रिय व्यक्ति है इसकी लोकप्रियता व राजनेतिक द्वेषता के कारण नाजायज रूप से हैरान परेशान करने व झूठे मुकदमों में फंसाने की नियत से कालुराम बलाई द्वारा झूठा प्रकरण दर्ज कराया गया है। मालोला सरपंच कालुराम बलाई द्वारा गोपाल गुर्जर को तंग, परेशान करने व प्रताड़ित करने की नियत से मांडल थाने में एफआईआर संख्या 365/2025 दर्ज करवायी गयी है जो कि राजनेतिक द्वेषता वश और गोपाल गुर्जर को फंसाने के लिए दर्ज करवाई गई । गोपाल गुर्जर द्वारा उप सरपंच प्रत्याशी के तौर पर अपनी माता कसनी गुर्जर को वर्ष 2020 में चुनाव लड़वाया और जितवाया उसके बाद कभी भी सरपंच व उपसरपंच पद के नाम का दुरूपयोग नहीं किया है, ना ही ग्राम पंचायत के अन्दर किसी भी व्यक्ति पर कभी भी कोई दबाव बनाया है, ना ही किसी अवैध वसूली का कार्य गोपाल गुर्जर द्वारा किया गया है। वही ग्राम पंचायत मालोला में कभी भी किसी व्यक्ति का कोई फर्जी पटटा बनाने का कार्य नहीं किया ना ही किसी पट्टे पर गोपाल गुर्जर के स्वयं के हस्ताक्षर है। गोपाल गुर्जर द्वारा कभी भी वर्तमान सरपंच कालुराम बलाई के फर्जी हस्ताक्षर नही किए है ।सरपंच कालुराम के नाम व उसके पद का कोई दुरूपयोग नहीं किया है।गोपाल गुर्जर द्वारा सदैव जनहित कार्य में सहयोग प्रदान किया जाता है। ग्राम पंचायत वासियों की हर संभव मदद करने को तैयार व तत्पर रहते है तथा समस्या का निराकरण करने का प्रयास करते है। ज्ञापन में आगे बताया की फरियादी कालुराम बलाई द्वारा कभी भी ग्राम वासियों के कार्य नहीं किए गए और जनहित के कार्यों को करने में भी आनाकानी की जाती है और ग्राम के लोगो को तंग परेशान किया जाता है और अपने पद व प्रभाव का दुरूपयोग किया जाता है और आमजन के साथ अभद्र व्यवहार व अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है और आमजन द्वारा विरोध करने पर अपने धन बल व राजनेतिक पहुंच का दुरूपयोग करने व झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जाती है। कालुराम बलाई द्वारा दर्ज कराए गए मामले में निष्पक्ष जांच करने के लिए मांडल पुलिस को आदेश देने की मांग की । वही ज्ञापन धारियों ने बताया की 5 सालो मे पंचायत समिति मालोला द्वारा जो भी राजकीय कार्य किए गए है वह वार्ड पंच व उप सरपंच, सचिव, सरपंच व अन्य कोरम की बैठक के अनुसार सर्वसम्मति से किए गए और किसी भी प्रकार का फर्जी पट्टा जारी नहीं किया गया । इस दौरान फूला गाडरी, शाहरूख खा पठान , राजू लाल गुर्जर, सायरी देवी गुर्जर, समता योगी, पुष्कर लाल माली, जुबेदा बानो मीर, कसनी गुर्जर आदि मौजूद थे।

स्टेट लेवल योगा ओलंपियाड में मॉडल स्कूल पोटलां का उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल| पोटलां

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, हिंडोली, बूंदी में आयोजित राज्य स्तरीय योगा ओलंपियाड में मॉडल स्कूल पोटलां के कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम प्रदेशभर में गौरवान्वित किया। कनिष्ठ बालिका वर्ग में आराध्या प्रजापत और देवश्री छिप्पा ने संयुक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा व्यक्तिगत वर्ग में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया, साथ ही विद्यालय को समग्र चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान दिलाया। कनिष्ठ बालक वर्ग में धीरज माली और अंकित माली ने संयुक्त प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान तथा व्यक्तिगत प्रस्तुति में भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की। वरिष्ठ बालक वर्ग में बलवंत

सिंह और कुनाल जीनगर ने संयुक्त प्रस्तुति में द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि वरिष्ठ बालिका वर्ग में अनुष्का प्रजापत और नेहा प्रजापत ने भी संयुक्त वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नवरत्न बैरवा ने बताया कि इन विद्यार्थियों ने पूर्व में भीलवाड़ा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और अब राज्य स्तर पर भी विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता से लौटने पर अभिभावकों, शिक्षकों तथा पोटलां कस्बे के ग्रामीणों ने विद्यार्थियों का जोरदार स्वागत किया। गांव में विद्यार्थियों के सम्मान में रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। विद्यालय पहुंचने पर सभी विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर विजेता विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें फूलों की वर्षा कर सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि विद्यालय तथा पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय रही।

निशुल्क नेत्र जांच मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 51 रोगियों को दिया परामर्श

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद शिविर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया जिसमें 51 नेत्र रोगियो को परामर्श दिया गया इस शिविर में रामनारायण, महेश, सीमा सोमानी का विशेष सहयोग रहा।

समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा फेको सर्जन द्वारा नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच कर उन सभी जरूरतमंद रोगियों के स्पर्श हॉस्पिटल में ऑपरेशन किए जाएंगे।

शिविर में रोगियों को निशुल्क दवाइयां,काले चश्मे व आवास, भोजन की सुविधा रहेगी। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी, कन्हैयालाल लाठी, सुभाष गर्ग, गणपत जागेटिया, अरुण जागेटिया, रामनारायण सोमानी, श्यामसुंदर पारीक, घनश्याम डाड, लादू लाल माली ने सेवाए दी।

खटीक समाज अम्बेडकर लाइब्रेरी के छात्र-छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरूक कर नशा मुक्ति का कार्यक्रम आयोजित किया

स्मार्ट हलचल| शाहपुरा

खटीक समाज अम्बेडकर लाइब्रेरी शिव शक्ति धर्मशाला में डॉ भीमराव अंबेडकर के 69 वे महापरिनिर्वाण दिवस पर लाइब्रेरी की सभी छात्र-छात्राओं को बाबा साहब की तस्वीर पर माला व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई व पार्षद राजेश सोलंकी जनसेवक ने शिक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। जनसेवक ने बताया कि आज के युग मे शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है शिक्षा से ही हम अपना हक मांग सकते है।शिक्षा से ही हम अपने परिवार को सक्षम बना सकते है।

नशा मुक्ति कार्यक्रम में रामेश्वर

पहाड़िया ने खटीक समाज अम्बेडकर लाइब्रेरी में उपस्थित छात्र-छात्राओं को डॉ भीमराव अंबेडकर के 69 वे महापरिनिर्वाण दिवस पर नई मुस्कान नशा मुक्ति की तरफ से छात्र-छात्राओं को सभी प्रकार के नशे से दूर रहने को कहा पहाड़िया ने बताया कि नशे के कारण हमारे परिवार खत्म हो जाते है और आने वाली पीढ़ी भी कमजोर हो जाती है।जिसके कारण हमे लोग गुलाम बना कर रखते है व बंधवा मजदूरी करवाते है जिसके कारण हम अपने परिवार का सही तरह से रख-रखाव नही कर पाते है।इसलिए नशा हमारे जीवन के लिए बहुत खराब होता है।

इस कार्यक्रम में पार्षद व जनसेवक राजेश सोलंकी,नई मुस्कान नशा मुक्ति केंद्र रामेश्वर पहाड़िया,खटीक समाज के नवयुवक अध्यक्ष नवीन चावला, राजेश टेपण, पप्पू चावला, राजेन्द्र चन्देरिया, बलराम खींची, विकास सोलंकी, राहुल सोलंकी, सागर सोलंकी,अम्बेडकर विचार मंच के जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र घुसर, लादुराम जाडोतिया, प्रेमचंद मीणा, थानमल परिहार, योगेन्द्र दमामी राज्यस, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष मनोहर बैरवा, भीमआर्मी अध्यक्ष राम चंद बैरवा डाबला-कचरा आदि सदस्य मौजूद रहे और सभी ने नशा मुक्ति की शपथ ली।

उपनगर पुर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर माली समाज विकास सेवा संस्थान की बैठक सम्पन्न, 51 जोडो का रखा लक्ष्य

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

शहर के उपनगर पुर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर माली समाज विकास सेवा संस्थान की बैठक शनिवार को पातोला महादेव रोड स्थित टँकी के महादेव जी परिसर में आयोजीत की गई। समाज के आगामी चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। संस्था सचिव शंकर लाल माली ने बताया कि बैठक संस्थान अध्यक्ष भैरू लाल माली की अध्यक्षता की गई। बैठक में सामूहिक विवाह सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विभिन्न प्रकार की समितियां गठित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से भोजन व्यवस्था समिति का अध्यक्ष बंशी लाल ढिबरिया, स्वागत समिति अध्यक्ष भंवर लाल सतरावला, क्रय समिति अध्यक्ष नानू राम गोयल, प्रचार-प्रसार समिति अध्यक्ष प्रभु लाल नुइवाल, कार्यालय व्यवस्था समिति अध्यक्ष रामस्वरुप माली, वित्तीय प्रबंधन

समिति अध्यक्ष भैरू लाल माली को बनाया गया और जिम्मेदारियां सौपी गई। अध्यक्ष भैरू लाल माली ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि सामूहिक विवाह आयोजन आर्थिक विषमता को कम करने के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में संस्था के सदस्यों और भामाशाह द्वारा तीन बार सफल संचालन एवं पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

साथ ही समाज से अपील भी कि की आगामी सम्मेलन में भी आपके द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। इस अवसर पर संस्था सरंक्षक कैलाश चन्द्र नॉइवल, प्रचार मंत्री भवानीराम ढिबरिया,मीडिया प्रभारी राज कुमार गोयल, कालूराम, जमनालाल, देवालाल, लालचंद,बंशी लाल, प्रह्लाद, महावीर, बालू लाल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

स्मार्ट हलचल | बानसूर

मेघवाल महासभा द्वारा कस्बें के अंबेडकर सर्किल पर शनिवार को भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। लोगों ने अंबेडकर को नमन करते हुए कैंडल जलाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके द्वारा संविधान व राष्ट्र के लिए किए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने समाज में समानता और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बाबा साहब के आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस मौके पर मनोज जूली, संजय डूमोलिया, प्रमोद सिरोहीवाल, कैलाश मोरोडीया, हितेंद्र चौधरी, सुरेश गुरुजी, महेंद्र शास्त्री, करमचंद, सुबेसिंह सांमरिया, मदन बासना, किशोर सुरेला, भूपसिंह सुरेला, राजीव सरपंच व राजेंद्र मेहरा सहित समाज के लोग मौजूद रहें।

सुराज नवसृजित ग्राम पंचायत का गठन

स्मार्ट हलचल| आसींद

सुराज गाँव में नवसृजित सुराज ग्राम पंचायत के गठन पर शनिवार को ग्रामीणों ने क्षेत्र के विधायक जब्बर सिंह सांखला का पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया। सुराज बस स्टैंड से तेजाजी महाराज चौक तक निकाली गई रैली में साफा, माला, ढोल-नगाड़ों और आतिथ्य की अनूठी ग्रामीण परंपरा के साथ विधायक का अभिनंदन किया गया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों ने बताया कि नई पंचायत के गठन तथा सुराज से डोल का बाडिया रोड की स्वीकृति और प्रक्रिया में विधायक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर विधायक के प्रति अपना समर्थन और कृतज्ञता व्यक्त की। विधायक सांखला ने ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि नवगठित ग्राम पंचायत से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए दो प्रमुख सड़कों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं, जबकि शेष सड़कें भी शीघ्र ही पूर्ण करवाई जाएँगी।

कार्यक्रम के दौरान सुराज के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सुराज को आसींद, जिला भीलवाड़ा में शामिल करने की मांग भी रखी। इस पर विधायक सांखला ने आश्वासन दिया कि ग्रामीणों की यह मांग 'बहुत जल्द पूर्ण कर दी जाएगी।' सुराज ग्राम पंचायत के गठन के साथ ही गाँव में विकास को लेकर नई आशा, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

पोस्टर विमोचन, पोस्टकार्ड पर बच्चों की उड़ी कलम, पीएम मोदी को जाएंगे संदेश

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। सेवा पखवाड़े के तहत संचिना कला संस्थान के 28वें स्थापना दिवस पर स्थानीय विधायक लालाराम बैरवा ने संस्था का वार्षिकोत्सव पोस्टर विमोचित किया और बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टकार्ड की प्रदर्शनी देख कर उनकी खुलकर सराहना की। बच्चों ने स्वच्छ भारत अभियान थीम पर दर्जनों आकर्षक चित्र बनाए, जिन्हें पोस्टकार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा जाएगा, इसके लिए विधायक ने मौके पर ही पत्र लिखकर प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू कराने की सहमति दी।

संस्था की पहचान और काम

संस्था अध्यक्ष राम प्रसाद पारीक

ने विधायक को अवगत कराया कि संचिना कला संस्थान, शाहपुरा (जिला भीलवाड़ा) 1998 से लोक कला के संरक्षण और नए कलाकारों को मंच देने के लिए कार्य कर रहा है और अब तक उदयपुर लोककला मंडल, जवाहर रंगमंच जयपुर, भीलवाड़ा, अजमेर सहित विभिन्न जिलों में 625 से अधिक कार्यक्रम कर चुका है। उन्होंने बताया कि संस्था ने शाहपुरा के लोक पर्वों पर स्थानीय लोक कलाओं को मंच देकर यहां की सांस्कृतिक पहचान को न केवल जिंदा रखा है, बल्कि नई पीढ़ी में भी लोक कला के प्रति आकर्षण बढ़ाया है।

विधायक का आश्वासन और बयान

विधायक लालाराम बैरवा ने कहा कि संचिना कला संस्थान ने 27 वर्ष में जो काम किया है, वह किसी सरकारी योजना से कम नहीं है और आने वाले समय में राज्य स्तर पर संस्था और विधानसभा क्षेत्र के कलाकारों की पहचान बने, इसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 28वें वर्ष का यह पोस्टर केवल कागज नहीं, बल्कि नए कलाकारों के लिए ऊर्जा का स्रोत है, जिससे प्रेरणा लेकर बच्चे और युवा आगे भी मंच पर अपना बेहतरीन प्रदर्शन दे सकेंगे। संस्था के एक अभिनय और नाटक वास्तव में सभी प्रकार की योजनाओं को सरल भाव से समझाने का एक प्रयास है इसमें अभी वंदे मातरम जिस तरीके से मंचों पर किया जा रहा है वह सारानिया कार्य है।

संचालन, सम्मान और मौजूद रहे कलाकार

कार्यक्रम का संचालन संस्था के महासचिव गीतकार सत्येंद्र मंडेला ने किया और मंच से ही संस्था की गतिविधियों, सेवा पखवाड़े की प्रतियोगिताओं और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। संस्था की ओर से विधायक बैरवा का पगड़ी पहनाकर, अर्पणा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया, वहीं नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी का भी अर्पणा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ख्यात कवि दिनेश बंटी, लोक कलाकार राजकुमार बेरवा, सत्यव्रत वैष्णव, पंडित सुनील भट्ट और रंगकर्मी एडवोकेट दीपक पारीक सहित अनेक कलाकार और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने संचिना के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की लोक कला का सशक्त मंच बताया।

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

निंबाहेड़ा मेंशनिवार को संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को कांग्रेसजनों द्वारा महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में श्रद्धाभाव से मनाया गया। निंबाहेड़ा में यहां सुबह बस स्टैंड परिसर में स्थित बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के नेतृत्व में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया।सुबह 11:30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि गण,एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा 'बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर अमर रहे' के जयघोष के साथ उनके महान योगदान को नमन किया।

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा बाबा साहेब दलित, वंचितों और शोषित वर्ग की आवाज थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा, 'भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के महान प्रवक्ता थे। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाने, वंचितों को मुख्यधारा में लाने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। '

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा, 'आज उनकी पुण्यतिथि पर हम सबको उनके विचारों समता,बंधुता और न्याय को आत्मसात कर समाज में सौहार्द स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए। बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया था, इसलिए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। '

इस अवसर पर कार्यक्रम में कांग्रेसजनों जनप्रतिनिधियों, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर बाबा साहेब की विरासत को याद किया। प्रमुख रूप से उपस्थित,निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा,नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल,ज़िला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम झंवर,नगर कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी,ज़िला फुटबॉल संघ कोषाध्यक्ष मनोज पारख,युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना,नगर अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी,सेवादल नगर मुख्य संगठक दिनेश गुप्ता,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, नगर कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष चांदमल विरानी व शमशू कमर मंसूरी,महासचिव ओम प्रकाश शर्मा, सचिव आशीष अग्रवाल, केली कांग्रेस मंडल अध्यक्ष पिंकेश जैन,ज़िला पेंशनर समाज वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रबोध शर्मा,गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष हरीशचन्द्र शर्मा,अधिवक्ता लक्ष्मण सिंह सोलंकी, अधिवक्ता हरि प्रकाश तेली,पूर्व पार्षद शोभाराम जाट, शांतिलाल लाडना,हाजी मोहम्मद इश्हार खान, बिहारीलाल सोलंकी, उदयराम पहाड़िया, राजेश सांड,पूर्व पंचायत समिति सदस्य नाथूलाल जटिया, यू.एस. शर्मा, रशीद खान,गहरीलाल रैगर, फरीद खान, मुकेश लोट, अमृत जटिया, बाबू खान मेव, इंदरजीत सिंह बारेठ,जय सिंह मीणा, मांगीलाल बामणिया, महावीर पालेचा,दिलखुश मीणा,गुलशेर खान, प्रहलाद खटीक, भंवरलाल रैगर, गणेशलाल सोनी,नाथूलाल जटिया, राधेश्याम तेली, आशुतोष टांक,कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन इत्यादि उपस्थित रहे।

अंत में लिए गए संकल्प, कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान और सामाजिक समरसता के सिद्धांतों को याद करते हुए, समानता, सामाजिक न्याय एवं भाईचारे को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ महापरिनिर्वाण दिवस को नमन किया।

शिक्षा कहां मिलेगी?

स्मार्ट हलचल

आज के बच्चे हो या अभिभावक सभी ढूंढ रहे है शिक्षा कहा मिलेगी, क्योकि स्कूलों में तो जूते, कपड़े, किताबे कॉपी टाई बेल्ट मिलते है, शिक्षा का मंदिर कहलाने वाला विद्यालय तो अब दुकान बन गया है, जहा शिक्षा को छोड़कर यह सब मिलता है, देश मे बिगड़ते शिक्षा के हालात पर कोई नही बोलेगा, कोई संसद या विधानसभा में यह आवाज नही उठाएगा की स्कूलों में सिर्फ शिक्षा मिले, क्योकि यह सब तो बाजार में भी मिल जाएगा, शिक्षा के लिए विद्यालय आते है बच्चे ना कि ये सामग्री खरीदने।

फीस में तो जैसे होड़ मची है जो जितनी ज्यादा फीस लेगा वो उतना बढ़िया स्कूल, लेकिन इस सब पर संसद और विधानसभा मोन रहती है, क्योकि अंग्रेजो से हमारे देश के इन नेताओ ने यह तो सीखा है कि इन गरीबो के बच्चो को अनपढ़ ही रहने दो अगर यह पढ़ लिख लिए तो हमारा क्या होगा, बस उसी महान रास्ते पर आज हमारे देश के 'जन' प्रतिनिधि चल रहे है जो कहने को तो जन प्रतिनिधि यानी जनता के प्रतिनिधि लेकिन ये जनता का नही प्राइवेट स्कूलों का प्रतिनिधित्व जरूर अच्छे से कर लेते है क्योंकि इनको इन स्कूलों से खूब सम्मान सत्कार और पुरुस्कार मिलता है फिर ये जनता की आवाज क्यो बनेंगे, जनता से तो इन्हें शुरू से गालियां ही मिलती रही है ना, चाहे हमारा देश कितना ही आगे बढ़ जाए लेकिन जब तक देश मे शिक्षा प्रणाली सही नही होगी जब तक देश का बच्चा बच्चा शिक्षित नही होगा देश सही मायने में आगे नही बढ़ सकता। देश को आगे देश का पढ़ा लिखा युवा ही बढ़ा सकता है, बाकी ये नेता तो देश को शुरू से ही पीछे धकेलते आये है और आगे भी यही करेंगे। देश मे बेरोजगारी का सबसे मुख्य कारण शिक्षा का अभाव है लेकिन हमारे देश के महान नेता मुफ्त में बांट देंगे लेकिन शिक्षित नही होने देंगे तभी तो आज भी देश का भविष्य बच्चा ओर युवा यह ढूंढ रहा कि 'शिक्षा कहा मिलेगी। '

पत्रकार ओम जैन

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने अकाय क्रिकेट एकेडमी को चैलेंजर ट्रॉफी व स्टेट लेवल चयन पर किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

निंबाहेड़ा। अकाय क्रिकेट एकेडमी की अंडर-15 की उभरती बालिका क्रिकेटर हर्षी जोशी और रवीना जाट का चैलेंजर ट्रॉफी (राजस्थान) के लिए चयन होने पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने दोनों खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए मिठाई खिलाकर एवं उपर्णना ओढ़ाकर शुभकामनाएं दीं। दोनों बालिकाओं ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर निंबाहेड़ा और एकेडमी का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया है।

शनिवार सुबह पेच एरिया स्थित पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना के कार्यालय पहुँचकर खिलाड़ियों तथा कोच ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं का आगे आना गर्व का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इसी मेहनत और लगन से वे आने वाले समय में जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाएं।

इसी क्रम में अ काय क्रिकेट एकेडमी के अंडर-16 वर्ग के खिलाड़ियों पार्थ मंशानी, हिमांशु सोमानी, मितेश टांक और मयंक मंगरोरा का जिलास्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर स्टेट लेवल के लिए चयन हुआ है। उनके चयन से एकेडमी में उत्साह और गौरव का माहौल बना हुआ है।

एकेडमी के संचालक आशीष टांक, कोच रुस्तम मंसूरी, तथा सहयोगी प्रशिक्षक लोकेश आमेटा, निलेश गणवा, दीपक नाथ, यश धाकड़, विवेक सेन और चेतन सुथार ने सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खिलाड़ियों के पिता मुकेश जोशी और कमल जाट ने भी अपने बच्चों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। पूर्व सहकारिता मंत्री आंजना ने सभी खिलाड़ियों और कोचिंग टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल अनुशासन, मेहनत और समर्पण की पहचान है। उन्होंने विश्वास जताया कि खिलाड़ी आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

भजनलाल सरकार के 2 वर्ष पूरे होने की सौगात बस्सी एवं सावा को मल संयंत्र के रूप में मिलीः पूर्व राज्य मन्त्री जाड़ावत

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। राजस्थान सरकार के पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने केंद्र की मोदी एवं राज्य की भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि बीजेपी का विकास शौचालय से शुरू होकर मल संयंत्र पर खत्म हो गया उन्होंने सावा और बस्सी कस्बों में मल से खाद बनाए जाने वाले संयंत्र को लेकर कटाक्ष कर कहा है कि जिले के जनप्रतिनिधियों की सोच भी मोदी सरकार के शौचालय निर्माण को बड़ा विकास बताने जैसा प्रतीत हुआ भजनलाल सरकार के 2 वर्ष होने का जश्न बस्सी एवं एवं सावा में मल संयंत्र की सौगात पर आकर रुका।

राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार में चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के इन कस्बों में बस्सी में उच्च शिक्षा के लिए कन्या महाविद्यालय, जिले का एक मात्र कृषि महाविद्यालय, उप जिला चिकित्सालय, चम्बल परियोजना संयंत्र राजस्व क्षेत्र में तहसील की सौगात दी वही सावा में तकनीकी शिक्षा के आईटीआई खुलवाया एवं उप तहसील जैसे नए आयाम स्थापित कर इन कस्बों को विकास कार्य में अग्रणी रखा लेकिन भाजपा के सांसद जिनका ननिहाल बस्सी में है एवं विधायक जिनकी रिश्तेदारिया बस्सी में है वहां उप जिला चिकित्सालय का शीघ्र निर्माण कराने के बजाय तुरत फुरत में फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट मल से खाद बनाने का संयंत्र की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी करवाकर निविदाएं निकाल दी गई जबकि उप जिला चिकित्सालय की इस क्षेत्र को महती आवश्यकता थी उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के विकास की सोच में बड़ा अंतर है जनहित के कार्यों के लिए इनसे विकास की उम्मीद करना मुश्किल है। क्योंकि बारह साल से केंद्र में और दो साल प्रदेश में राज आने के बाद भी चित्तौड़गढ़ में एक भी विकास का बड़ा काम नहीं किया है। जबकि कांग्रेस सरकार विकास की राजनीति करती है।

किसानों को पुलिस की पहरेदारी में मिला खाद

स्मार्ट हलचल | बानसूर

कस्बे के निकटवर्ती हरसौरा कस्बें में शनिवार सुबह खाद मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में किसानों की भीड़ खाद बीज की दुकान पर उमड़ पड़ी। इससे दुकान के बाहर लंबी कतारें लग गईं और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। वाहन चालकों को भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हरसौरा स्थित बजरंग खाद बीज भंडार पर 230 कट्टे खाद की खेप पहुंची थी। क्षेत्र में लंबे समय से खाद की कमी से जूझ रहे किसानों को इसकी खबर मिलते ही आसपास के गांवों से 500 से अधिक किसान ट्रैक्टर और बाइक लेकर दुकान पर पहुंच गए। जल्द ही सड़क पर आवाजाही बाधित हो गई और किसानों के बीच पहले खाद लेने को लेकर हल्की कहासुनी भी हुई।

दिक्षार्थी बहन का सेन्थी श्रमण संघ ने किया बहुमान

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तोड़गढ़ शहर में शुक्रवार को दिक्षार्थी बहन नेहा जैन का भव्य वरघोड़ा निकाला गया, ततपश्चात श्रमण संघ सेन्थी द्वारा उनका बहुमान किया गया।

संघ मंत्री ओम जैन शंभूपुरा ने बताया कि श्रमण संघ सेन्थी अध्यक्ष अनिल पोखरना के नेतृत्व में दिक्षार्थी बहन नेहा जैन का दिवाकर भवन गांधीनगर में बहुमान किया गया, साथ ही भगवान महावीर से सभी ने कामना की कि हमारी दिक्षार्थी बहन संयम मार्ग पर खुशी से आगे बढ़ें, ओर उनके जीवन के नए अध्याय की शुरुआत हो। इस अवसर पर लक्ष्मीलाल चण्डालिया, छीतरमल चण्डालिया, रिषभ सुराणा, मनोहर बाफना, बीएस सिसोदिया, रतन लाल संजेती, धर्मवीर कोठारी, प्रवीण बोहरा आदि सहित समाजजन मौजूद रहे।

देश में साइबर सुरक्षा को मजबूती देगा टीएनवी सिस्टम सर्टिफिकेशन

स्मार्ट हलचल | लखनऊ

भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए टीएनवी सिस्टम सर्टिफिकेशन ने आईएसओ/आईईसी 27001:2022 (सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली) के तहत उन्नत ऑडिटिंग और प्रमाणन सेवाओं की औपचारिक शुरुआत कर दी है। यह पहल देश में साइबर सुरक्षा को नई मजबूती देगी और भारत सरकार के साइबर सुरक्षित भारत मिशन को गति प्रदान करेगी।

डिजिटल दुनिया में सूचना को नई ऑक्सीजन बताते हुए टीएनवी सिस्टम सर्टिफिकेशन के प्रबंध निदेशक प्रग्येश सिंह ने कहा कि सुरक्षित सूचना प्रणाली किसी भी संगठन की प्रगति का आधार बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आईएसओ 27001 न केवल संगठन की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि ग्राहकों और हितधारकों को यह भरोसा भी देता है कि उनकी जानकारी वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षित रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना सुरक्षा अब केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं बल्कि व्यवसायिक लाभ, विश्वास निर्माण और सतत डिजिटल विकास की अनिवार्यता बन चुकी है।

पिछले दो दशकों में साइबर हमलों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए सीईओ अजीत कुमार ने कहा कि वित्त, स्वास्थ्य, ऊर्जा, विनिर्माण और सरकारी संस्थान साइबर खतरों के सबसे ऊँचे स्तर का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज साइबर हमले अपवाद नहीं बल्कि सामान्य घटनाएं बन चुके हैं। ऐसे समय में संगठनों के लिए अनुशासित, सक्रिय और संरचित सुरक्षा संस्कृति अपनाना आवश्यक है। आईएसओ 27001 इसी अनुशासन को स्थापित करता है। उन्होंने जोखिम-आधारित और लगातार विकसित होने वाली सुरक्षा प्रणाली को समय की जरूरत बताया।

मुख्य तकनीकी अधिकारी हिमांशु रस्तोगी ने बदलते तकनीकी वातावरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्लाउड, ऑटोमेशन, एआई और रिमोट वर्किंग ने व्यवसायों का स्वरूप बदल दिया है, लेकिन इसके साथ साइबर खतरे भी कई गुना बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को तकनीक से भी तेज गति से विकसित होने की आवश्यकता है। 'यदि तकनीक डिजिटल विकास का इंजन है, तो आईएसओ 27001 उसकी सीटबेल्ट है, जो विकास को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाता है। उन्होंने बताया कि आईएसएमएस प्रत्येक सूचना-संबंधी प्रक्रिया की निगरानी, दस्तावेजीकरण और नियंत्रण को अनिवार्य बनाता है, जिससे हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

आईएसओ 27001 सेवाओं की शुरुआत के साथ टीएनवी सिस्टम सर्टिफिकेशन साइबर सुरक्षित भारत मिशन को सशक्त समर्थन दे रहा है। इस मिशन का उद्देश्य एक साइबर-जागरूक, साइबर-सुरक्षित और साइबर-प्रतिरोधी राष्ट्र का निर्माण करना है। इसके तहत साइबर स्वच्छता को बढ़ावा देने, संगठनों की प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करने, कमजोरियों में कमी लाने, अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाने और सुरक्षित डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

सूचना सुरक्षा को राष्ट्रीय आवश्यकता बताते हुए टीएनवी ने कहा कि जो संगठन आज मजबूत सुरक्षा ढांचे अपनाते हैं, वे न केवल स्वयं को सुरक्षित करते हैं बल्कि पूरे देश की साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं। आईएसओ 27001 इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक ढांचा है, जो संगठनों को जिम्मेदार, सुरक्षित और विश्वसनीय डिजिटल भविष्य की ओर अग्रसर करता है।

'पार्टी' को जिसने हराने का काम किया, उसी को बनाया 'जिलाध्यक्ष', कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी रोष

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ जिले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष के रूप में प्रमोद शिशोदिया की नियुक्ति को लेकर विरोध अब बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह है कि कई लोगो ने इस्तीफा देने तक की चेतावनी दे दी है। पदाधिकारियों का आरोप है कि सिसोदिया ने पूर्व में हमेशा ही कांग्रेस को हराने के लिए काम किया था, लेकिन अब सिफारिशों के आधार पर उन्हें जिलाध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया।

जिले में कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पार्टी के इस निर्णय को गलत बताते हुए कहा कि 'जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया गया तो क्या सिर्फ कुछ लोगो की सिफारिश ही पार्टी के लिए मायने रखती है, जबकि ना सिसोदिया का कोई वर्चस्व है ओर ना ही शहर के बाहर इन्हें कोई जानता है। कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओ ओर पदाधिकारी का कहना है कि जरूरत पड़ी तो हम सभी पदाधिकारी अपने पदों से इस्तीफा देंगे।'

कांग्रेस गुटों में बंटी, भाजपा को होगा फायदा

जानकर सूत्रों की माने तो अब जिले में कोंग्रेस अलग अलग बंट गई है, जिसका नतीजा आगामी चुनावों में साफ नजर आएगा वही इसका सीधा फायदा भाजपा को होता दिख रहा है।

डॉ भीमराव अंबेडकर का 69 वां निर्वाण दिवस मनाया

स्मार्ट हलचल | बूंदी

डॉ भीमराव अंबेडकर कल्याण समिति द्वारा आज संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का 69 वा निर्वाण दिवस मनाया गया। लंका गेट अंबेडकर सर्किल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। समिति सदस्यों ने बाबा साहब को श्रद्धा से याद किया। उनके मूल मंत्र पर चलने का अव्हान किया।

इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष महावीर मीणा, अर्बन बैंक चेयरमैन सत्येश शर्मा, डॉ भीमराव अंबेडकर कल्याण समिति अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, नगर परिषद उपसभापति लदूर भाई, शैलेश सोनी , रेगर समाज जिलाध्यक्ष रामनारायण मेवलिया, बैरवा समाज विकास समिति महामंत्री सुखदेव बेरवा, डॉ मोहनलाल वर्मा, डॉ मुकेश मीणा, जिला कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ जिला

अध्यक्ष बृजमोहन यादव, पार्षद हेमंत वर्मा, मुनिराज मेघवाल, कन्हैया लाल मेघवाल, जमनालाल पारखी, एडवोकेट ओमप्रकाश वर्मा गोपी लाल चंदोलिया, एडवोकेट सुरेंद्र कुमार वर्मा, एडवोकेट राकेश वर्मा भेरूलाल बेरवा, श्री राम आर्य , लोकेश सुखवाल, किशन लाल वर्मा , प्रभुदयाल लोरतीया, सोपाल बेरवा , शंकर लाल वर्मा, गोपाल लाल वर्मा, राम प्रकाश नारायण, बद्री लाल बेरवा आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त भीलवाड़ा शहर जिला अध्यक्ष शिवराम खटीक पदभार ग्रहण समारोह

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा- नवनियुक्त शहर जिला अध्यक्ष के पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर एवं पूर्व जिला अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल डांगी,पी सी सी सदस्य नीरज गुर्जर,राजेश चौधरी, मोहम्मद याकूब,पूर्व जिला प्रमुख सुशीला सालवी, शाहपुरा विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र रेगर ,शहर कांग्रेस प्रभारी कैलाश झालीवाल,नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, पूर्व नेता प्रतिपक्ष संजय पेड़ीवाल,महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रेखा हिरण,मनोज पालीवाल,सेवादल जिला अध्यक्ष योगेश सोनी,किशन चौधरी,पार्षद उस्मान खान पठान,अक्षय गुर्जर, शिवप्रकाश गोरी, प्रकाश ओझा, भंवर गर्ग , रमेश सेन सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समारोह की शुरुआत नगर निगम केचित्रकूट धाम स्थित बोस्केट बॉल ग्राउंड से विशाल रैली के रूप में हुई।कार्यकर्ता बड़े उत्साह के साथ झंडे लेकर एवं नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। रैली के मध्य में शिवराम खटीक, नीरज गुर्जर,नरेंद्र रेगर,धर्मेंद्र पारीक साइकिल साइकिल पर सवार हो गए। रेलवे स्टेशन चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रेली कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने भव्य आतिशबाजी की और लगातार नारे लगाते रहे।

कांग्रेस कार्यालय में समारोह का संचालन एडवोकेट कुणाल ओझा द्वारा किया गया एवं पदभार ग्रहण समारोह के आयोजन व्यवस्था का सफल दायित्व निभाया।

सैकड़ो कांग्रेस जन की उपस्थिति एवं उनके उत्साह ने समारोह को ऐतिहासिक बना दिया।

राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता जितना मजबूत होगा संगठन उतना ही ताकतवर होगा। राष्ट्रीय सचिव द्वारा मंच पर कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया।धीरज गुर्जर ने कहा कि आज दो नई परंपराएं शुरू हुई है पहले बार शहर जिला अध्यक्ष साइकिल पर सवार होकर जनता के बीच होते हुए कांग्रेस कार्यालय आये हैं। दूसरा आज मंच पर बड़े नेताओं के साथ कार्यकर्ताओं भी का सम्मान किया गया। राष्ट्रीय सचिव ने पदाधिकारीयो का सम्मान कर उन्हें जिम्मेदारी सौंफी।

नवनियुक्त शहर जिला अध्यक्ष शिवराम खटीक ने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जाता है उसके लिए वह आभारी है एवं अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाएंगे। जनता के मुद्दों पर सड़क पर आकर संघर्ष करेंगे ।कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाएंगे एवं कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को ताकतवर बनाने का काम करेंगे ।कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प किया।

पी सी सी सदस्य राजेश चौधरी, मनोज पालिवाल, शहर कांग्रेस प्रभारी कैलाश झालीवाल, नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक,पूर्व नेता प्रतिपक्ष संजय पेडीवाल, सभी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर हमला बोला और कोंग्रेस पार्टी को बूथ स्तर तक सक्रिय करने का संकल्प दोहराया।

लोक अदालत का उद्देश्य केवल मुकदमो का फैसला करना नहीं है, बल्कि भाई-भाई, पति-पत्नी, पड़ोसियों और पक्षकारों के मध्य मूल विवाद खत्म करना है-मनोज आहूजा

लोक अदालत रूपी महायज्ञ में आहुति देकर पुण्य लाभ कमाएं-शिवचरण चौधरी, बार एसोसिएशन भिनाय के संरक्षक शिवकुमार जोशी ने किया कार्यक्रम का संचालन

स्मार्ट हलचल

बांदनवाड़ा अजमेर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश से पूरे देश की अदालतों में 21 दिसम्बर को होने वाली लोक अदालत को सफल बनाने के उधेश्य से ताल्लुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष प्रवीण कुमार वर्मा के निर्देश से शुक्रवार को पैनल अधिवक्ता मनोज आहूजा ने ग्राम पंचायत भिनाय के सभागार में डोर काउंसलिंग मीटिंग का आयोजन किया जिसमें भिनाय क्षेत्र से संबंधित 7 मामलों में समझाइश का प्रयास कर पक्षकारों को समझाया गया कि लोक अदालत के माध्यम से निपटने वाले प्रकरणों में समस्या का अंतिम निस्तारण होता है इसलिए अपने विवादों को लोक अदालत के माध्यम से निपटारा करना चाहिए।इस अवसर पर व्यापारिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व प्रधान प्रतिनिधि संजय लोढ़ा,बार एसोसिएशन भिनाय के अध्यक्ष शिवचरण चौधरी,एडवोकेट शिवकुमार जोशी,धर्मवीर बामनिया, राहुल आचार्य, प्रवीण भट्ट सहित ताराप्रकाश जोशी, ओमप्रकाश भट्ट, जयकुमार तेजवानी सहित कस्बे के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।वहीं इस मौक़े पर पैनल लॉयर एडवोकेट मनोज आहूजा ने उपस्थित ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए बताया कि हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 39 ए में यह प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या अन्य किसी अक्षमता के कारणवश न्याय प्राप्त करने से वंचित नहीं हो सकता।इसी प्रावधान का लाभ भारत के प्रत्येक नागरिक को देने के लिए देश के ताल्लुका स्तर के न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए कार्यालय खोल रखे हैं।जिनके माध्यम से निःशुल्क विधिक सेवा उन लोगों को दी जाती है जो धन व अन्य अक्षमता की वजह से अपने प्रकरण की पैरवी करने में सक्षम नहीं है।साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को कानून की जानकारी भी हो सके इसके लिए शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि आमजन कानून का पालन कर सकें जिससे कि समाज में शांति व्यवस्था बनी रह सके।उन्होंने बताया कि इस सेवा के लिए अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्ति तथा किसी भी श्रेणी की महिला व बच्चे वरिष्ठ नागरिक,कैंसर एवं एचआईवी पीड़ित व्यक्ति,ऐसे व्यक्ति जो अभिरक्षा में निरुद्ध हैं,ऐसे व्यक्ति जो मानव उद्योग व्यापार या समाज के सताए हुए हैं,मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति भी निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकारी है।पैनल लॉयर आहूजा ने बताया कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में उपलब्ध है।उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष चार राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है जिसकी तारीख राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निश्चित की जाती है और हर तीन महीने में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है जिसको सफल बनाने के लिए डोर स्टेप काउसलिंग भी एक माध्यम है।उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा मुकदमों का निस्तारण करना है तथा लोगों को न्याय दिलवाना है।उन्होंने बताया कि लोक अदालत में राजीनामे योग्य फौजदारी मामलों,मोटर दुर्घटना से संबंधित मामले,पारिवारिक न्यायालय से संबंधित मामलों सहित जिन दिवानी मामलों में राजीनामा हो सकता है तथा चैक अनादरण के मामलों को भी निपटाया जाता है।

इसलिए उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि वो अपने विवादित मामलों को लोक अदालत में लेकर जाएं क्योंकि लोक अदालत की भावना से निस्तारण मामलों की कोई अपील नहीं होती बल्कि विवाद का अंतिम निस्तारण होता है।वहीं इस मौक़े पर बार एसोसिएशन भिनाय के अध्यक्ष शिवचरण चौधरी ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय आपको घर बैठे मिल रहा है।और ये बहुत पुण्य का काम है इसलिये आप लोगों को इसका फायदा लेना चाहिए तथा विवादों का अंतिम रूप से निस्तारण करने के लिए अपने मामले को लोक अदालत में लेकर जाएं और विवाद का सदैव के लिए खात्मा कर शांतिपूर्वक अपना जीवन जिएं।समाजसेवी संजय लोढ़ा ने भी उपस्थित ग्रामीण पक्षकारों को सम्बोधित करते हुए अपने विवादों को राजीनामा के आधार पर निस्तारित करने की सलाह दी तथा न्याय आपके द्वार के माध्यम से राजीनामा के आधार पर प्रकरणों को निपटाने वाली पहल की सराहना की। इस मौक़े पर एडवोकेट राहुल आचार्य ने बताया कि लोक अदालत के दायरे में अब राजस्व विवाद भी आ चुके हैं ऐसे में यदि किसी का कोई राजस्व मामला विचाराधीन हो तो वो भी अपना मामला लोक अदालत में लेकर जाएं।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार जोशी एडवोकेट ने करते हुए बताया कि क्षेत्र से सम्बंधित विवादित मामलों के पक्षकारों को राजीनामा करने के लिए प्रेरित करते हुए उनके प्रकरणों को राजीनामा करके निपटाने की अनुशंसा की गई है।

प्रसिद्ध डिजाइनर प्रशान्त मजूमदार फॉरएवर मिस इंडिया पेजेन्ट में होंगे शामिल

स्मार्ट हलचल

जयपुर। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर प्रशान्त मजूमदार फॉरएवर मिस इंडिया ब्यूटी पेजेन्ट में फैशन डिजाइनर के रूप में हिस्सा लेंगे। मिस इंडिया का यह आयोजन 19 से 21 दिसम्बर तक जयपुर स्थित जी स्टूडियो में आयोजित होगा, जहाँ फॉरएवर मिस यूनिवर्स, मिसेज इंडिया और मिस टीन इंडिया की विजेताओं की क्राउन सेरेमनी भी होगी। कई प्रतिष्ठित हस्तियों के लिए परिधानों की डिजाइनिंग करने के साथ-साथ दिल्ली के रहने वाले प्रशान्त कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फैशन शो और ब्यूटी पेजेन्ट में भी भाग ले चुके हैं। फॉरएवर स्टार इंडिया के संस्थापक राजेश अग्रवाल और निदेशक जया चौहान ने बताया कि मिस इंडिया ब्यूटी पेजेन्ट को आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत किया जायेगा एवं आयोजन को मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय फैशन कोरियोग्राफर शाय लोबो मिस इंडिया इवेन्ट की कोरियोग्राफी और डायरेक्शन करेंगे। शाय लोबो फैशन इण्डस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं तथा वे शाहरुख खान, आलिया भट्ट और जैकलीन फर्नांडिज सहित कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के साथ काम कर चुके हैं।

भगेला गांव की ललिता गुलेरिया ने जीता गोल्ड मेडल

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर। भगेला गांव की होनहार बालिका ललिता गुलेरिया ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में बॉक्सिंग के खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया है।

भरतपुर में दिनांक 1 से 5 दिसंबर तक आयोजित हुई इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ललिता ने यह महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उनकी यह उपलब्धि कोई नई नहीं है; वह पहले भी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप, एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप (थाईलैंड, 2020), और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स जैसी कई प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं।

द्रोणाचार्य अवार्डी चीफ कोच अनूप कुमार बघेला ने ललिता की इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की महिला बॉक्सर लगातार आगे आ रही हैं, जो कि अत्यंत हर्ष का विषय है।

वर्तमान में, ललिता सीनियर नेशनल कोचिंग कैंप, पटियाला में प्रशिक्षण ले रही हैं।

इसी तरह, द्रोणाचार्य बॉक्सिंग एकेडमी की गगोर निवासी निकिता भी उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी गेम्स और सीनियर नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर अब इंडियन रेलवे के लिए खेलना शुरू कर दिया है।

शोक में डूबे गुलगांव के घर-घर पहुंचे विधायक शत्रुघन गौतम– तीन परिवारों के आंसू पोंछे, सावर क्षेत्र में जनता की हर पीड़ा सुनी

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। शनिवार का दिन मानो संवेदनशीलता और जनसेवा का उदाहरण बन गया, जब क्षेत्रीय विधायक शत्रुघन गौतम अचानक गुलगांव पहुंचे। गांव में लगातार हुई तीन मौतों ने वातावरण को शोकमय बना दिया था, ऐसे में विधायक गौतम ने परिवारों के बीच पहुंचकर न केवल ढांढस बंधाया, बल्कि उनकी पीड़ा को अपना दर्द बताते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

सबसे पहले विधायक गौतम मोहन खंडेलवाल के घर पहुंचे, जहां परिवार अचानक हुए निधन से व्यथित था। विधायक ने परिजनों का हाथ पकड़कर उन्हें मजबूत बने रहने की प्रेरणा दी और दिवंगत आत्मा के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद वे माता जी मंदिर के पुजारी गोपाल बलाई के निवास स्थान पहुंचे। पुजारी के अचानक निधन से गांव में गहरा शोक व्याप्त था। विधायक गौतम ने धार्मिक सेवाओं में उनके योगदान को याद करते हुए परिवार को सांत्वना दी।

गुलगांव की तीसरी दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। रिटायर्ड फौजी सत्यनारायण टेलर डिडवानिया के 32 वर्षीय पुत्र मनीष डिडवानिया का इलाज के दौरान निधन हो गया। युवा की असमय मौत पर विधायक गौतम ने अत्यंत दुख व्यक्त किया। परिजनों से मिलते समय स्वयं भी भावुक दिखाई दिए और दिवंगत मनीष को पुष्पांजलि अर्पित की।

गौतम ने अपने सावर क्षेत्र के विस्तृत दौरे के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं, अभाव-अभियोग को भी गंभीरता से सुना। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल सहित अन्य मुद्दों पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों से बात कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया। गुलगांव और आसपास के गांवों में विधायक का यह मानवीय और संवेदनशील दौरा चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि 'दुख की घड़ी में नेता का साथ ही सच्ची जनसेवा है ', और गौतम ने इस भावना को अपने आचरण से सिद्ध किया।

खबर का असर - खाद की कालाबाजारी के आरोप में राजकोट के डीलर का लाइसेंस हुआ निलंबित

एग्रीकल्चर कमिश्नर चिन्मयी गोपाल के निर्देश पर हुई कार्रवाई

स्मार्ट हलचल।टोंक

देवली उपखण्ड के राजकोट गांव में एक खाद डीलर पर यूरिया खाद का ओवर चार्ज लेने के व कालाबाजारी के आरोप में कार्रवाई कर कृषि विभाग ने कैलाश खाद बीज भंडार का लाइसेंस निरस्त किया है।यह कार्रवाई एग्रीकल्चर कमिश्नर आईएएस चिन्मयी गोपाल जयपुर के निर्देश पर कार्रवाई की गई है।ग्रामीणों ने 2 दिसम्बर को यूरिया खाद की अधिक रेट लेने व मनमानी को लेकर दूनी कृषि अधिकारी को लिखित शिकायत पत्र दिया था जिस पर मामलें की जाँच में सही पाए जाने पर यह प्रभावी कार्रवाई हुई है।घटना का वीडियो भी जारी हुआ था जिसमें आरोप प्रमाणित होने पर यह कार्रवाई कर लाइसेंस रद्द किया गया।दर असल कुछ दिनों से क्षेत्र में किसानों द्वारा डीलरों व दलालों के मार्फत तय कीमत से ज्यादा वसूलने के आरोप लग रहे थे।खाद डीलर के विरुद्ध इस कार्रवाई से अधिक रेट लेने वाले अन्य खाद विक्रेताओं में भी भय बन गया है।इस साल की देवली उपखण्ड यह पहली घटना सामने आई है जिसमें निर्धारित कीमत से ज्यादा वसूलने के आरोप में बड़ी कार्रवाई है।मामलें को लेकर स्मार्ट हलचल तहसील संवाददाता दूनी ने देवली उपखण्ड अधिकारी रूबी अंसार को भी दूरभाष पर अवगत कराया था जिस पर एसडीएम ने किसानों के हित मे कार्रवाई का भरोषा दिया था घटना का मूल वीडियो व शिकायत पत्र भी भेजा गया था।राजकोट,सीतापुरा,पनवाड़,आंवा,दूनी क्षेत्र के किसानों ने ओर खाद उपलब्ध करवाने की मांग की है। राजकोट से किसान किशन मीणा, मनीष मीणा,आकाश मीणा, महावीर, देवलाल, भरतरी, राजाराम मीणा, नन्दकिशोर मीणा, ब्रजराज, सुनील, मानसिंह, गजनन्द व पनवाड़ से महावीर सैनी ने ओर क्षेत्र में यूरिया खाद उपलब्ध करवाने की विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है।

टीकाराम पालीवाल स्टेडियम मे दा बोहराज ग्लोबल स्कूल फादर्स क्रिकेट लीग और मदर्स स्पोर्ट्स चैम्पियंसशिप के पहले दिन का सफल आयोजन

स्मार्ट हलचल

महवा। टीकाराम पालीवाल स्टेडियम में दा बोहराज ग्लोबल स्कूल द्वारा आयोजित फादर्स क्रिकेट लीग एवं मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबलों का शानदार आगाज़ हुआ। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट महवा सीआई राजेंद्र जी श्री विजय शंकर बोहरा गुरु जी प्रभु दयाल राजेंद्र मिश्रा जी अरविंद पालीवाल रघुवीर जी द्वारा किया गया लायंस क्लब महवा के अध्यक्ष आकाश लोकेश मिश्रा विद्यालय के निदेशक विनय बोहरा सह निदेशक विकास बोहरा वाईस प्रिंसिपल श्वेता राणा नेगी , पीटीआई सुरेंद्र भूपेन्द्र अभिभावक एवं विद्यार्थियों की प्रभावी उपस्थिति रही।

फादर्स क्रिकेट लीग : टीम महुआ की शानदार जीत

पहले क्रिकेट मुकाबले में टीम बालाजी और टीम महुआ आमने-सामने रहीं। टीम बालाजी ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 89 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जवाबी पारी में टीम महुआ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम महुआ के कप्तान शिवकुमार मीणा ने 7 चौकों की मदद से 37 रन की निर्णायक पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप : उत्साह से भरे मुकाबले

टग ऑफ वॉर, दो टीमों के बीच हुए इस मुकाबले में– टीम 1: यशोधरा, पूजा कुमारी जोगी, श्वेता सिंघल टीम 2: ललिता भारद्वाज, संध्या कुमारी योगी, रचना देवी ने प्रतिभाग किया! कठिन संघर्ष के बाद टीम 1 विजेता रही। ब्लाइंडफोल्ड एंड टच द मटकी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संतुलन व कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। परिणाम इस प्रकार रहे– प्रथम स्थानः ललिता भारद्वाज द्वितीय स्थानः श्वेता सिंघल तृतीय स्थानः रचना देवी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा स्टेडियम तालियों, उमंग और खेल भावना से गूंज उठा।

2 अवैध/ मॉडिफाइड साइलेंसर बाईकर के विरुद्ध कार्यवाही

125 बिना मानक , फटाखा साइलेंसर तथा अत्यधिक आवाज करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर को बुलडोजर चला कर किया नष्ट

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी राजेन्द्र कुमार मीणा आई.पी.एस. ने बताया की यातायात पुलिस बून्दी द्वारा आज 2 अवैध/ मॉडिफाइड फटाखा साइलेंसर बाईकर के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये वर्ष 2025 में खुलवाये गये 125 अवैध/ मॉडिफाइड फटाखा साइलेंसर को पुलिस लाईन में रोड.रोलर से कुचल कर नष्ट किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बून्दी की सड़कों पर बिना मानक ए फटाखा साइलेंसर तथा अत्यधिक आवाज करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर से दहशत फैलाने वाले बाइकरों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा के सुपरविजन में यातायात प्रभारी बहादुर सिंह उप निरीक्षक के नेतृत्व में यातायात पुलिस बून्दी द्वारा आज दो फटाखा बाईक को जप्त कर उनके मॉडिफाइड साइलेंसर खुलवा कर यातायात नियमो के उलंघन की कार्यवाही की गई साथ ही वर्ष 2025 में अब तक खुलवाये गये 125 मॉडिफाइड साइलेंसर को पुलिस लाईन के अन्दर रोड पर सजाए गए फिर पुलिस ने बुलडोजर वाले रोड रोलर बुलवाकर उन्हें एक.एक कर कुचल कर नष्ट किया गया। वाहन चालकों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों विशेषकर बाइकों में अवैध व मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर न केवल कानून का उल्लंघन है , बल्कि आमजन, मरीजों, बुजुर्गो व विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनता है । ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहनों में कंपनी द्वारा निर्धारित मानक साइलेंसर का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन कर एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

नॉर्थर्न इंडिया रीजनल काउंसिल का राजस्थान राज्य सम्मेलन सम्पन्न

एआई, वित्तीय प्रबंधन और नवाचार पर कोटा में आयोजित राजस्थान स्टेट कॉन्फ्रेंस 2025 सम्पन्न, कोटा में आयोजित आईसीएसआई नॉर्थर्न इंडिया रीजनल काउंसिल का राजस्थान राज्य सम्मेलन सम्पन्न

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा चैप्टर ऑफ एनआईआरसी ऑफ आईसीएसआई की मेजबानी में राजस्थान स्टेट कॉन्फ्रेंस 2025 का भव्य आयोजन होटल कंट्री इन में संपन्न हुआ। 'डेजर्ट टू डिजिटल' थीम पर आधारित इस राज्य स्तरीय सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कंपनी सचिवों, वित्त विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सेदारी दर्ज की।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीएसआई गीत के साथ किया गया। स्वागत उद्बोधन कोटा चैप्टर के अध्यक्ष सीएस अक्षय गुप्ता ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कोटा में यह पहला राज्य स्तरीय सम्मेलन है, जिसे कोटा के औद्योगिक विकास, पर्यटन और निवेश संभावनाओं को सामने रखते हुए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की द्वस्त्रड्डह्ल नीति का अधिकाधिक लाभ मिल सके, इसके लिए सम्मेलन में विशेष जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम निदेशक सीएस राहुल शर्मा ने सम्मेलन की थीम और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एनआईआरसी के अंतर्गत 32 चैप्टर एवं लगभग 22 हजार सदस्य सक्रिय हैं, जिनके लिए क्षेत्रीय परिषद प्रशिक्षण कार्यक्रम, वेबिनार, प्लेसमेंट ड्राइव और इंडस्ट्री-लिंक्ड इंटर्नशिप आयोजित करती है। उन्होंने कहा कि एनआईआरसी कंपनी एक्ट, सेबी एवं एमसीए से संबंधित नवीनतम जानकारियाँ लगातार उपलब्ध कराकर सीएस समुदाय को अपडेट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एनआईआरसी के अध्यक्ष सीएस हिमांशु हरबोला, केंद्रीय परिषद सदस्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि एनआईआरसी, आईसीएसआई के उद्देश्यों के अनुरूप कॉर्पोरेट गवर्नेंस, एथिक्स एवं कॉम्प्लायंस को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

मुख्य अतिथि संदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में तेजी से उभर रहा है, ऐसे में कंपनी सचिवों की भूमिका वित्तीय प्रबंधन और औद्योगिक विकास में और अधिक संवेदनशील तथा प्रभावकारी हो जाती है। उन्होंने देश के औद्योगिक क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में निवेश वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस सम्मेलन में देहरादून, मुंबई, पुणे, दिल्ली एवं जयपुर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में 100 से अधिक कंपनी सचिव उपस्थित रहे। मंच संचालन नुपूर व प्रियंका ने किया।

एआई और वित्तीय प्रबंधन पर तकनीकी सत्र

सम्मेलन के प्रथम तकनीकी सत्र में सम्मेलन के प्रथम तकनीकी सत्र में 'लेखांकन, वित्तीय प्रबंधन, नियामक अनुपालन एवं डेटा गोपनीयता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक आयामों का मूल्यांकन' (ÒEvaluating the Ethical Dimensions of Artificial Intelligence in Accounting, Financial Management, Regulatory Compliance and Data Privacy Ó) विषय पर टेडएक्स वक्ता डॉ. सौरभ माहेश्वरी ने विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने एआई की उपयोगिता, नैतिक पक्ष तथा नियामकीय चुनौतियों को केंद्र में रखते हुए भविष्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए।

नवाचार और निवेश पर पैनल चर्चा

द्वितीय सत्र द्वितीय सत्र राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (ÒEnabling Innovation and InvestmentÑ E&ploring RajasthanÓs Policy Framework through iStart, DIC and Rajasthan Investment Promotion Scheme (RIPS) Ó विषय पर केंद्रित रहा। पैनल में डिप्टी कमिश्नर एवं जीएम, डीआईसी हरि मोहन शर्मा, वित्त विशेषज्ञ सीए अनंत लड्ढा एवं द्वस्त्रड्डह्ल सलाहकार आयुष त्यागी शामिल रहे। उन्होंने iStart, DIC ¥õÚU RIPS-2024 के अंतर्गत स्टार्टअप प्रोत्साहन, ग्रामीण उद्यमिता, निवेश अनुकूल माहौल, पूंजीगत सहायता, ब्याज अनुदान, सब्सिडी योजनाओं एवं उद्यम स्थापना की प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की प्रमुख पहल है, जो 7100+ स्टार्टअप्स को समर्थन देती है और 42,500+ नौकरियां पैदा कर चुकी है। यह विचार से प्रोटोटाइप तक 2.4 लाख (महिला स्टार्टअप्स के लिए 3 लाख), सीड स्टेज पर 60 लाख, ऋण 2 करोड़ और इक्विटी 5 करोड़ तक सहायता प्रदान करती है। ग्रामीण iStart ने 800+ ग्रामीण स्टार्टअप्स को कृषि और विकास क्षेत्र में प्रोत्साहित किया है। छोटे ग्रामीण और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देते हैं, जिसमें प्लांट एवं मशीनरी पर 30% पूंजीगत सब्सिडी (महिलाओं के लिए 50%), ब्याज सब्सिडी, बिजली सब्सिडी 2 प्रति यूनिट और 100% स्ऱ्स छूट 15 वर्षों के लिए शामिल है।

समापन सत्र में सीएस कमल सोनी, सचिव, कोटा चैप्टर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। सम्मेलन के अंत में प्रतिभागियों ने नेटवर्किंग के माध्यम से आपसी संवाद एवं पेशेवर सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

ऑपरेशन सिंदूर के योद्धारू उदयपुर के इंस्पेक्टर महेश नागदा का अभिनंदन

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

मेवाड़ की माटी को गौरवान्वित करने वाले बीएसएफ इंस्पेक्टर महेश नागदा के शनिवार को गृह जिले उदयपुर पहुंचते ही ओल्ड सिटी देशभक्ति के रंग में रंग गई। ओल्ड सिटी वेलफेयर कमेटी की ओर से आयोजित भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह में शहर के प्रबुद्धजनों, भट्टियाणी चौहट्टा और जगदीश चौक क्षेत्र के दर्जनों शुभचिंतकों सहित श्री नागदा के बचपन के मित्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे। भट्टियाणी चौहट्टा निवासी एवं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में कार्यरत इंस्पेक्टर महेश नागदा को शीघ्र ही भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित डायरेक्टर जनरल डिस्क एवं कमेंडेशन रोल से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राष्ट्र सेवा में किए गए अतुलनीय साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सूझबूझ के लिए प्रदान किया जा रहा है। इस ऑपरेशन में उनके योगदान से न केवल बल की गरिमा बढ़ी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिली।

जैसे ही इस सम्मान की सूचना उदयपुरवासियों और उनके मित्रों को मिली, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके बाद ओल्ड सिटी वेलफेयर कमेटी ने नागरिक अभिनंदन का निर्णय लिया और इसकी रूपरेखा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से तैयार की गई। शनिवार को महेश नागदा के उदयपुर आगमन की सूचना मिलते ही रंगनिवास से जगदीश चौक तक भव्य सम्मान जुलूस निकाला गया। इस दौरान उन्हें पगड़ी, उपरणा और प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। आतिशबाजी, जयघोष और तालियों की गूंज के बीच जुलूस जगदीश चौक तक पहुंचा। कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया जब भट्टियाणी चौहट्टा स्थित आशापाल मंदिर पर बैठे उनके पिता रेवाशंकर नागदा को बिना पूर्व सूचना यह बताया गया कि उनके पुत्र महेश उदयपुर पहुंच चुके हैं और ऑपरेशन सिंदूर में उनके योगदान के लिए उनका नागरिक अभिनंदन किया जा रहा है। यह सुनते ही उनकी आंखों से गर्व और खुशी के आंसू छलक पड़े। लंबे समय बाद पिता-पुत्र का यह मिलन सभी को भावुक कर गया।

अपने स्वागत से अभिभूत इंस्पेक्टर महेश नागदा ने कहा कि'पोस्टिंग पर जाते समय पिताजी और बुआ मां ने कहा था कि मेवाड़ की धरा को कभी लजाना मत। मैं हमेशा प्रयासरत रहता हूं कि भारत की माटी के लिए कुछ कर सकूं। देश और धरती माता के प्रति ईमानदारी और वफादारी निभाना मेरा कर्तव्य है। '

समारोह में उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़, क्षेत्रीय पार्षद गोपाल जोशी, अजय पोरवाल, देवेंद्र जांवलिया, जगदीश शर्मा, मनु राव, कुलदीप सिंह गहलोत, प्रदीप सिंह भाटी, गिरिश भारती, हेमंत शर्मा, बद्री नागर, अक्षय सिंह राव, प्रदीप सेन, कैलाश सोनी, उमाशंकर सुखवाल, कुलदीप जोशी, शिवराज धाबाई, गोपाल नागर, पंकज सुखवाल, विजय सुहालका, कीर्ति प्रकाश व्यास, कुंदन चौहान, हरीश गोस्वामी, महेंद्र सरदार, चंद्रप्रकाश भट्ट, दर्शन पंवार, कृष्ण गोपाल वैष्णव, लोकेश वैष्णव, भरत सोनी, विनोद पानेरी, विनोद कोठारी, रजत मालवीय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के जन्म दिवस पर नंदा रक्तदाता टीम द्वारा 183 यूनिट रक्तदान

स्मार्ट हलचल| कोटा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के जन्मदिन पर 4 दिसंबर को कोटा में मूक प्राणियों की सेवा हेतु कार्य करने वाली संस्था नंदा फाउंडेशन टीम द्वारा छप्पन भोग परिसर में 183 यूनिट रक्तदान शिविर का आयोजन 'सेवा दिवस' के रूप में मनाकर किया गया। जीवन दाता रक्त वीरों के लिए आदरणीय छोटे भाई साहब,स्पीकर साहब की पुत्री आकांक्षा जी बिरला, मुरली जी बिरला,जोधपुर से उत्कर्ष क्लासेज के निदेशक निर्मल जी गहलोत पहुंचे। आकांक्षा बिरला ने सभी रक्तदाताओ का उत्साहवर्धन किया साथ ही बताया की जीवन में एक बार सभी को रक्तदान करना चाहिए। जिससे बेहतर स्वास्थ्य बना रहता है। उन्होंने युवाओं से साल में कम से कम दो बार रक्तदान करने का आह्वान किया। स्पीकर साहब के डुश्चह्य अंकित जी जैन, प्रशासनिक अधिकारी राजेश जी डागा, डॉ सौरभ जी शर्मा ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। रक्तदान में दिनेश जी पारेता, क्रांति नागर, बद्री केदार, महेश माहेश्वरी, नीलम महेश्वरी,राजेंद्र लोदा, नरेंद्र लोदा, बनवारी जी, महेंद्र बेरवा, राम लखन बेरवा, बुदि जी बेरवा, लेखराज मीणा, कृष्ण जांगिड़, जगदीश जी, कमलेश, मनीष वसुराल, दिनेश सेन, हेमराज मेघवाल, लोकेश वैष्णव,जय कृष्णा नागर, नवल मीणा, प्रदीप दाधीच, कन्हैया लाल मीणा, रणवीर सिंह, हेमंत शर्मा, निश्चय पालीवाल, अनिल सांमरिया इंद्रजीत मालव, पप्पू लाल प्रजापत, त्रिलोक नागर,श्री महेश मीणा, चंद प्रकाश सेन, घनश्याम बेरवा, कैलाश मीणा ने सपरिवार तथा स्वयं ने दो यूनिट रक्त दिया।

अभि औदीच्य ने किया बारां जिले का नाम रोशन

योगा ऑलम्पियाड में सिल्वर मेडल व ट्रॉफी जीतकर रचा इतिहास

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय सारथल के प्रतिभाशाली छात्र अभि औदीच्य पुत्र राकेश शर्मा ने राज्य स्तरीय योगा ऑलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल व ट्रॉफी अपने नाम की। अभि ने जूनियर वर्ग प्राणायाम प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता, वहीं जूनियर व्यक्तिगत स्पर्धा में भी दूसरा स्थान हासिल कर ट्रॉफी प्राप्त की।

यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 5 दिसम्बर को स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय, ब्लॉक हिण्डोली (जिला बूंदी) में आयोजित हुई, जिसमें राजस्थान के 41 जिलों से छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। स्वामी विवेकानंद मॉडल विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के चयनित छात्रों ने इसमें भाग लिया। बारां जिले से 8 छात्र-छात्राओं ने प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता में जूनियर व सीनियर वर्ग की विभिन्न योग स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। हरनावदाशाहजी निवासी अभि औदीच्य को उनके शानदार प्रदर्शन पर प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी द्वारा मेडल व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अभि ने इससे पहले जिला स्तरीय योगा ऑलम्पियाड में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए क्वालीफाई किया था। राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अभि ने हरनावदाशाहजी, मॉडल विद्यालय सारथल और पूरे बारां जिले का नाम गौरवान्वित किया।

कानपुर में तीन और लोगों ने दुनिया को कहा अलविदा

स्मार्ट हलचल

कानपुर। यहां विभिन्न कारणों से मौत को गले लगाने का सिलसिला लगातार जारी है जिसके क्रम में तीन और लोगों ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके परिवार में कोहरा मचा हुआ है। वहीं पुलिस लाशों को पोस्टमार्टम भेज कर घटनाओं की जांच कर रही है। पहली घटना बर्रा की है, जहां अपने ममेरे भाई की शादी में जमकर डांस करने के बाद घर लौटे एक वेल्डर बर्रा 2 ईडब्ल्यूएस डबल स्टोरी कॉलोनी निवासी ई-रिक्शा कंपनी में वेल्डर आशीष दीक्षित (47) ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। दो माह पहले मां की मौत होने के बाद से वेल्डर मानसिक तनाव में थे।

दूसरी घटना कल्याणपुर, श्यामा विहार, नई बस्ती मिर्जापुर की है। यहां के निवासी दुर्गेश ने बताया कि उसके पिता राकेश कुमार (55) शराब के लती थे। वह कल दोपहर करीब एक बजे राकेश ने पत्नी मिथलेश को छत पर गेहूं सुखाने के लिए भेज दिया, इसके बाद कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। दोपहर करीब 3:30 बजे उनके भाई उन्नाव निवासी राजेश कुमार तेहरवीं संस्कार में राकेश को ले जाने के लिए घर पहुंचे थे। जिस पर मिथलेश ने कमरे का दरवाजा खटखटाया, दरवाजा न खुलने पर उन्होंने कमरे में झांक कर देखा तो शव फंदे से लटकता मिला। आत्महत्या की तीसरी घटना योगेंद्र विहार की है। यहां के निवासी अक्षय तिवारी (40) पत्नी रुचि, बेटी समृद्धि व 9 माह के बेटे के साथ अनीता वर्मा के मकान में किराए पर रहते थे। मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बताया कि अक्षय दिहाड़ी मजदूरी पर करते थे। काफी समय से काम न मिलने पर के कारण परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। शुक्रवार को उन्होंने पत्नी व बच्चों को बारादेवी स्थित मायके भेज दिया। इसके बाद कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। घटना से तीनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने बताया की लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज करघटना की जांच की जा रही है।

04080 हजरत निजामुद्दीन-तिरुवनंतपुरम आरक्षित सुपरफास्ट स्पेशल का संचालन

स्मार्ट हलचल| कोटा

यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा हजरत निजामुद्दीन से तिरुवनंतपुरम सेन्ट्रल के मध्य एक तरफ़ा आरक्षित सुपरफास्ट विशेष गाड़ी (ट्रेन संख्या 04080) का एक फेरा संचालित किया जा रहा है। यह गाड़ी कोटा मंडल के कोटा स्टेशन से होकर गुजरेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि यह विशेष सुपरफास्ट गाड़ी दिनांक 06 दिसम्बर 2025 (शनिवार) को अपने प्रारंभिक स्टेशन हजरत निजामुद्दीन से 13.35 बजे प्र-स्थान करेगी। कोटा मंडल में यह गाड़ी कोटा स्टेशन पर 20.20 बजे पहुंचेगी। तिरुवनंतपुरम सेन्ट्रल में यह गाड़ी सोमवार को 14.50 बजे पहुंचेगी।

यह गाड़ी हजरत निजामुद्दीन, पलवल, कोटा, रतलाम, वडोदरा, उधना, वसई रोड, पनवेल, रोहा, रत्नागिरी, थिवीम, मडगांव, कारवार, कुमटा, बिंदूर, कुंदापुरा, उडुपी, मैंगलोर जंक्शन, कासरगोड, कन्नूर, कैलिकट, शोरनूर जंक्शन, त्रिशूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम, चेंगन्नूर, कायन्कुलम, कोल्लम, वर्कला शिवगिरी होते हुए तिरुवनंतपुरम सेन्ट्रल तक जाएगी।

यात्रियों से अपील है कि यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति, समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

सीमा बगड़िया दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान कोटा की अध्यक्ष नियुक्त

वर्धमान जैन सोशल ग्रुप की बैठक सम्पन्न, नई अध्यक्ष को मिली जिम्मेदारी, वर्धमान जैन ग्रुप में सर्वसम्मति से सीमा जैन अध्यक्ष चुनी गई

स्मार्ट हलचल| कोटा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान, कोटा की बैठक बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से सीमा अरविंद बगड़िया को वर्ष 2026 के लिए अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में सुरेश हरसोरा, अनिल ठौरा, राजेंद्र ताथेडिया, महेश जैन, लोकेश जैन, लक्ष्मी कांत जैन, राजेंद्र जैन, मुकेश खटोड़, महावीर बरमुंडा और संजय जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वर्धमान ग्रुप के अध्यक्ष महावीर बरमुंडा ने गत वर्ष की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष सीमा जैन ने कहा कि ग्रुप की गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाते हुए संगठन को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास किया जाएगा, जिसमें सदस्यों का सहयोग अपेक्षित है। अनिल ठौरा ने 11 जनवरी को आयोजित होने वाले रीजन सम्मेलन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी, वहीं सुरेश हरसोरा ने 26 जनवरी को इंदौर में प्रस्तावित परिचय सम्मेलन के संबंध में सदस्यों को अवगत कराया। बैठक के दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष सीमा जैन का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि 14 दिसंबर को आयोजित होने वाले स्नेह मिलन समारोह में कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की जाएगी तथा 11 जनवरी को रीजन सम्मेलन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होगा।

स्वच्छ और सुंदर कोटा की दिशा में केडीए का विशेष अभियान जारी

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमणमुक्त बनाने हेतु विशेष अभियान आज जोन तृतीय-सी क्षेत्र में, कोटा यूनिवर्सिटी के सामने संचालित किया गया। अभियान के तहत सड़क के डिवाइडर तथा रोड साइड पर उगी अनावश्यक झाड़ियाँ, बबूल, आंकड़े आदि को हटाया गया। आयुक्त ममता तिवारी ने स्थल पर पहुँचकर अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान निदेशक अभियांत्रिकी रविन्द्र माथुर, अधीक्षण अभियंता अजय शर्मा, अधिशासी अभियंता पवन शर्मा तथा सहायक अभियंता नीलम व्यास मौजूद रहे। आयुक्त ने यूनिवर्सिटी के सामने स्थित पेट्रोल पंप संचालक को सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए। इसी प्रकार रावतभाटा रोड पर भी आयुक्त ममता तिवारी व निदेशक अभियांत्रिकी रविन्द्र माथुर द्वारा निरीक्षण किया गया, जहाँ संबंधित टीम ने सफाई एवं अवांछित पौधों को हटाने का कार्य किया। माननीय लोकसभा अध्यक्ष महोदय के 'स्वच्छ और सुंदर कोटा' विजन को साकार करने के लिए केडीए यह अभियान प्रत्येक शनिवार और रविवार को सभी जोनों में क्रमवार रूप से संचालित किया जा रहा है।

ब्रॉन्ज मेडल जीतकर एथलेटिक्स मयंक यादव ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

स्मार्ट हलचल | बानसूर

निकटवर्ती ग्राम जोधपुरा के एथलीट मयंक यादव ने ओडिशा के भुवनेश्वर में 40 वीं जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 1500 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया हैं।मयंक यादव ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार को देते हुए कहा कि उनके चाचा अशोक कुमार यादव ने उन्हें प्रशिक्षण के लिए हमेशा प्रेरित किया। ब्रॉन्ज मेडल की सूचना मिलते ही जोधपुरा गांव में खुशी का माहौल बन गया। परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर मयंक की उपलब्धि का जश्न मनाया। ग्रामीणों का कहना है कि मयंक की सफलता गांव के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मयंक अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की आगामी प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी कर रहे हैं।

14 दिसंबर को कांग्रेस की एस ए आर के विरोध में दिल्ली रैली की तैयारी के लिए कांग्रेस ने आयोजित की बैठक

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। 14 दिसंबर को अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एस आई आर के विरोध में एवं वोट चौर गद्दी छोड़ अभियान को लेकर दिल्ली में महा रैली आयोजित कि जा रही है। भवानी मंडी ब्लाक कांग्रेस ने इस को लेकर एक अहम बैठक नगर कांग्रेस कार्यालय में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रोड़ सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित कि गई।

बैठक में ब्लाक के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को दिल्ली चलने एवं ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उप-स्थित ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रोड़ सिंह परमार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष विनय आसतौलिया, पूर्व विधायक स्नेहलता आर्य,विधानसभा प्रत्याशी चेतराज गहलोत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेश करावन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लोकेश गुप्ता,पूर्व सरपंच रोड सिंह कुंडी खेड़ा, पंचायती राज संगठन जिला अध्यक्ष जोरावर सिंह चौहान, ब्लाक अध्यक्ष चैन सिंह सिसौदिया, पूर्व सरपंच उमराव सिंह, पार्षद हखिम ख़ान, ब्लाक महासचिव कृपाल सिंह कोटड़ा, महिला प्रदेश सचिव करूणा देवी, ब्लाक अध्यक्ष सेवादल आंनद काला, जिला कोडिनेटर अविनाश परमार, कांग्रेस नेता फरीद उद्दीन, सेवादल नगर अध्यक्ष राकेश चांवला, नगर उपाध्यक्ष हसीब चौधरी, कांग्रेस नेता पीरु लाल मेघवाल, गोविंद सिंह चौहान, नारायण सिंह लौर,तेज सिंह,लखन बैरागी, आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिसर में बीएलओ एस,सुपरवाइजर, कर्मचारीयों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

स्मार्ट हलचल

वैर। नगर पालिका परिसर में बीएलओ एस कर्मचारी गण आदि सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी,अतिरिक्त जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा, उपखंड अधिकारी गंगाधर मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष विष्णु, अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार गर्ग, के द्वारा सम्मान समारोह हुआ।विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा वैर के शत प्रतिशत ईआर ऑनलाइन होने के उपलक्ष में गंगाधर मीना द्वारा सभी बीएलओ एस, सुपरवाइजर, समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों आदि को नगर पालिका वैर परिसर में भोज पर आमंत्रित किया गया...उत्कृष्ट कार्य करने वाले 45 कर्मचारी सम्मानित किये गये।

उक्त कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कमर चौधरी , अति. जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा , उपखंड अधिकारी भुसावर राधे श्याम मीना, तहसीलदार वैर महेश शर्मा, अधिशाषी अधिकारी जितेंद्र गर्ग आदि उपस्थित हुए।

यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन

कोटा मंडल के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी स्पेशल एक्सप्रेस गाड़ियाँ

स्मार्ट हलचल| कोटा

रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। कोटा मंडल के सवाईमाधोपुर, कोटा, रामगंजमंडी और भवानीमंडी जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर इन स्पेशल गाड़ियों का संचालन यात्रियों को बड़ी राहत प्रदान करेगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि रेलवे यात्रियों को निर्बाध, सुलभ एवं सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अतिरिक्त ट्रेनें चला रहा है, ताकि यात्रियों को वैकल्पिक यात्रा सुविधा सरल रूप से उपलब्ध हो सके।

1. दुर्गापुरा (जयपुर)-बान्द्रा टर्मिनस-दुर्गापुरा स्पेशल (1 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 09729 दुर्गापुरा से 07.12.25 को 12.25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 07.00 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09730 बान्द्रा टर्मिनस से 08.12.25 को 10.00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुँचेगी। यह रेलसेवा कोटा मंडल के सवाईमाधोपुर, कोटा, रामगंजमंडी व भवानीमंडी स्टेशनों सहित मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव करेगी। कोच संरचनाः 01 फर्स्ट मय सेकण्ड एसी, 02 सेकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 09 द्वितीय शयनयान, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 23 डिब्बे।

2. हिसार-खडकी-हिसार स्पेशल (1 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 04725 दिनांक 07.12.25 को हिसार से 05.50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 10.45 बजे खडकी पहुँचेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 04726 खडकी से 08.12.25 को 17.00 बजे प्रस्थान कर 22.25 बजे हिसार पहुँचेगी।

यह रेलसेवा भी कोटा मंडल के सवाईमाधोपुर, कोटा, रामगंजमंडी व भवानीमंडी स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को सीधी सुविधा मिलेगी। कोच संरचनाः 01 फर्स्ट मय सेकण्ड एसी, 02 सेकण्ड एसी, 07 थर्ड एसी, 08 द्वितीय शयनयान, 02 सामान्य श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बे।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पूर्व गाड़ियों की वास्तविक स्थिति, समय व ठहराव की जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

किसानों को पुलिस की पहरेदारी में मिला खाद

स्मार्ट हलचल | बानसूर

कस्बे के निकटवर्ती हरसौरा कस्बें में शनिवार सुबह खाद मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में किसानों की भीड़ खाद बीज की दुकान पर उमड़ पड़ी। इससे दुकान के बाहर लंबी कतारें लग गईं और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। वाहन चालकों को भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हरसौरा स्थित बजरंग खाद बीज भंडार पर 230 कट्टे खाद की खेप पहुंची थी। क्षेत्र में लंबे समय से खाद की कमी से जूझ रहे किसानों को इसकी खबर मिलते ही आसपास के गांवों से 500 से अधिक किसान ट्रैक्टर और बाइक लेकर दुकान पर पहुंच गए। जल्द ही सड़क पर आवाजाही बाधित हो गई और किसानों के बीच पहले खाद लेने को लेकर हल्की कहासुनी भी हुई।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हरसौरा पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा। पुलिस ने तुरंत व्यवस्था संभाली, किसानों को लाइन में लगवाया और टोकन सिस्टम शुरू करवाया। इससे प्रत्येक किसान को क्रमवार खाद मिल सकी और वितरण प्रक्रिया सुचारु रूप से चली। दुकान संचालक ने बताया कि उपलब्ध स्टॉक के अनुसार किसानों को निर्धारित मात्रा में खाद दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को फायदा मिल सके।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अत- उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

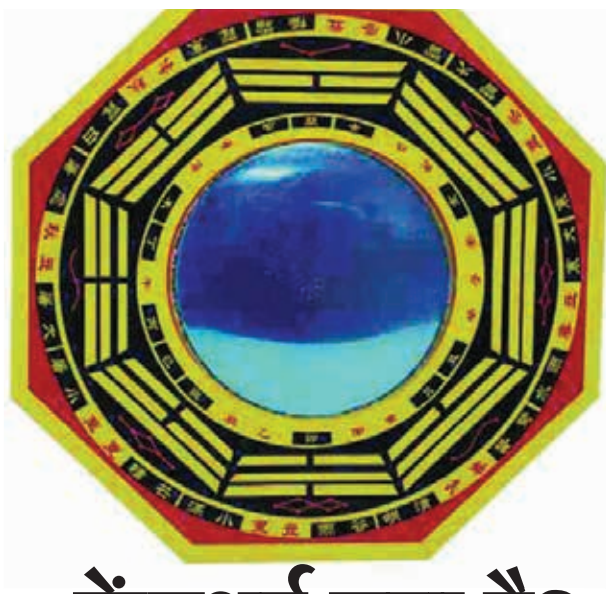

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com